डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26

ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अखबार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 19 | अंक 100 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | बुधवार 22 जनवरी 2025 | मूल्य 2 रुपया

छह सौ से ज्यादा स्कूलों की मान्यता हो रही समाप्त

* मान्यता के लिए आए 254 आवेदन, कल आखिरी तारीख * खेल मैदान, ट्रेंड स्टॉफ के साथ पहुंच मार्ग सही होना जरुरी

मंदसौर, 21 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। राज्य शिक्षा केंद्र के निर्देशानुसार निजी स्कूलों के नवीनीकरण के लिए स्कूलों को हर तीन साल में नवीन मान्यता के लिए आवेदन करना होगा। जिले में अभी कक्षा 1 से 8 तक पढ़ाने वाले 655 निजी स्कूल हैं। इनमें से 610 स्कूलों की मान्यता इसी सत्र में समाप्त हो रही है। महत्वपूर्ण बात यह है कि 23 जनवरी तक आवेदन करने की अंतिम तिथि है। वहीं 21 जनवरी तक 254 आवेदन आए है। दूसरी ओर आवेदन करने के बाद मान्यता की राह आसान नहीं होगी। शिक्षा विभाग के अधिकारियों द्वारा भौतिक सत्यापन किया जाएगा। खेल मैदान, ट्रेंड स्टॉफ के साथ पहुंच मार्ग भी सही होना मान्यता के लिए जरुरी होगा।

एक माह में जांच रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे...

नवीन शैक्षणिक सत्र में निजी स्कूलों के लिए मान्यता के मानक पूरे करना भी कठिन हो गया है। जिन स्कूलों के पास खेल मैदान से लेकर ट्रेंड टीचिंग स्टाफ पदस्थ नहीं होगा। उन्हें शिक्षा विभाग मान्यता प्रदान नहीं करेगा। मान्यता के मानक पूरे हो रहे हैं या नहीं, इसकी जांच के लिए विभागीय टीम निजी स्कूलों में पहुंचकर अपनी रिपोर्ट जिला शिक्षा अधिकारी को महीनेभर में प्रस्तुत करेगी।

23 जनवरी है अंतिम तारीख...

निरीक्षण रिपोर्ट के आधार पर मान्यता की प्रक्रिया आगे बढाई जाएगी। पहली से लेकर 8वीं कक्षा की मान्यता पाने के लिए निजी स्कूलों को 23 जनवरी तक ऑनलाइन आवेदन करना है। मतलब कल बुधवार इसकी अंतिम तारीख है। आवेदन के बाद उनके प्रिंटआउट निकालकर खंड स्त्रोत समन्वयक, मान्यता के मानकों की उपलब्धता का सत्यापन करने के लिए स्कूलों में दस्तक देंगे। निरीक्षण रिपोर्ट आने के बाद जिला परियोजना समन्वयक मान्यता को अनुमोदित करेंगे। मान्यता के लिए खेल मैदान व ट्रेंड स्टाफ की जरूरत निजी स्कूलों के लिए सिरदर्द बनी हुई है।

15 दिन में सत्यापन कर बीआरसी को देनी होगी रिपोर्ट...

23 जनवरी की अवधि में ऑनलाइन आवेदन किए जा सकते हैं। इसके बाद ही जिला शिक्षा विभाग का कार्य प्रारंभ होगा। अगर कोई स्कूल कक्षाओं में परिवर्तन करना चाहता है तो उसके लिए भी आवेदन करना होगा। विकासखंड स्त्रोत समन्वयक (बीआरसी) को 15 दिन में सत्यापन कर रिपोर्ट, जिला परियोजना समन्वयक (डीपीसी) को भेजना होगी। टीम अगर किसी कारण मान्यता को खारिज करती है। तो उसे फिर क्रमश: वरिष्ठ कार्यालयों में अपील करना होगी।

संसाधनों के फोटो जिओ टैग से अपलोड होंगे...

राज्य शिक्षा केंद्र ने कहा है कि मान्यता प्राप्त करने के लिए स्कूल में खेल मैदान होना चाहिए। खुद का भवन या किराए पर है तो उसकी रजिस्ट्री प्रस्तुत करें। डीएड, बीएड डिग्रीधारी प्रशिक्षित स्टाफ की नियुक्ति जरूरी है। क्लास रूम, कार्यालय कक्ष, प्रधानाध्यापक कक्ष होना चाहिए। स्कूल पहुंच मार्ग सही होना चाहिए। स्कूल में पाठ्य सामग्री, खेल उपकरण की उपलब्धता जरूरी है। स्कूल की सोसायटी बनाना अनिवार्य है। स्कूल में पर्याप्त संसाधनों के फोटो जिओ टैग से अपलोड होंगे।

इनका कहना...

निजी स्कूलों को मान्यता के लिए कल 23 जनवरी अंतिम तारीख है। 21 जनवरी तक 254 आवेदन हमारे पास आए थे।

भगवतीलाल शर्मा, मान्यता प्रभारी, जिला शिक्षा विभाग मंदसौर

पुलिया के नीचे मिली मजदूर की लाश

सिर को पत्थरों से कुचला, तीन दिन से था लापता

रतलाम, 21 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। जिले के शिवगढ़ थाना क्षेत्र के राजापुरा माताजी के पास केलकच्छ रोड पर मंगलवार सुबह एक युवक की लाश पुलिया के नीचे पाइप में मिली। मृतक का सिर पत्थरों से कुचला हुआ लग रहा था। सूचना पर पुलिस अधिकारी समेत डॉग स्क्वाड पहुंचा। मामले में पुलिस ने हत्या की आशंका जताई है। मृतक की पहचान देवीलाल पिता प्रभुलाल कटारा निवासी देवीपाड़ा के रूप में हुई। सूचना पर एएसपी राकेश खाखा, ग्रामीण एसडीओपी किशोर पाटनवाला, एफएसएल अधिकारी अतुल मित्तल, डॉग स्क्वाड समेत शिवगढ़ थाना पुलिस बल पहुंचा। शव को पाइप से निकाला। युवक के हाथ पर देवीलाल गुदा हुआ था। आसपास के ग्रामीण भी वहां पर एकत्र हुए। मौके से पंचनामा बनाकर पीएम के लिए शव दोपहर में मेडिकल कॉलेज भेजा।

प्राथमिक जानकारी के अनुसार युवक तीन दिन से घर से गायब था। खेतों में प्याज व मटर तोड़ने की मजदूरी के लिए घर से निकला था। मृतक के सिर को पत्थरों से कुचल रखा था। यहां तक चेहरे पर पत्थरों को रखा हुआ था। पत्थरों पर खून के निशान मिले हैं। शराब की बोतल भी मिली है।

पत्नी ने छोड़ रखा था...

एएसपी राकेश खाखा ने बताया कि देवीलाल शादीशुदा था। ज्यादा शराब पीने के कारण उसे पत्नी ने छोड दिया था। जिस जगह शव मिला, उस जगह से करीब 1 किमी दूर तक डॉग गया। बीच में एक पुलिया भी आई। वहां कुछ देर डॉग रुका। उसके बाद वहां से आगे बढ गया। पुलिस को आशंका है कि युवक की हत्या कर शव लाकर पुलिया के नीचे पाइप में रखा, फिर इस पर पत्थर रख दिए। पुलिस हत्या के एंगल से जांच में जुटी है।

सरकारी जमीन से निकाल रहे थे मूर्रम, दो डंपर और जेसीबी जप्त

नीमच, 21 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। खनिज विभाग ने जिले में खनिज माफिया पर सख्त कार्रवाई की है। कलेक्टर हिमांशु चंद्रा के निर्देश पर विभाग की टीम ने मनासा क्षेत्र के गांव लोडकिया में छापा मारा, जहां शासकीय जमीन से अवैध रूप से मुरम और लाल मिट्टी का खनन किया जा रहा था। यहां से खनिज विभाग ने दो डंपर और जेसीबी जप्त की है।

खनिज अधिकारी आरिफ खान के नेतृत्व में की गई इस कार्रवाई में एक जेसीबी और दो डंपर जब्त किए गए। टीम में सहायक खनिज अधिकारी गजेंद्र सिंह डाबर, सर्वेयर सुनील यादव और होमगार्ड जवान भी शामिल थे। मौके पर एक मुर्रम से भरा डंपर पकडा गया, जबकि दूसरा डंपर मुर्रम खाली करके लौट रहा था। पूछताछ में डंपर चालकों ने खुलासा किया कि वे खनन किए गए मुर्रम को रूपवास स्थित एक प्लांट में सप्लाई कर रहे थे। जब्त किए गए वाहनों को मनासा पुलिस थाने में रखा गया है। गौरतलब है कि जिले में अवैध खनन और भंडारण के खिलाफ लगातार कार्रवाई के बावजूद खनिज माफिया अपनी अवैध गतिविधियों से बाज नहीं आ रहे हैं।

तीन डिग्री तक और बढ़ेगा तापमान, अस्पताल में मरीजों की संख्या बढ़ी

मंदसौर, 21 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। इन दिनो मौसम का मिश्रित असर देखने को मिल रहा है। मंदसौर में तापमान में बढोतरी के साथ धूप खिली हुई है। अधिकतम तापमान 27 डिग्री और न्यूनतम तापमान 13 डिग्री सेल्सियस के आसपास बना हुआ है। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार, अगले दो-तीन दिनों में तापमान और बढ़ने की संभावना है। मौसम में आए इस परिवर्तन से बीमारो की संख्या लगातार बढ़ रही है। बड़े अस्पताल की ओपीडी में इन दिनो मरीजो की भीड़ देखी जा सकती है।

मौसम विभाग के अनुसार आने वाले दो दिनों में तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस तक की बढ़ोतरी हो सकती है। बुधवार को निवाडी, टीकमगढ, छतरपुर, सतना, मैहर, रीवा, मऊगंज, सीधी और सिंगरौली में कोहरे की स्थिति बनी रहेगी। साथ ही ग्वालियर, श्योपुर, दतिया, मुरैना और भिंड में हल्की वर्षा की संभावना है। पश्चिमी विक्षोभ के कारण प्रदेश के मौसम में बदलाव आया है। मंगलवार को जेट स्ट्रीम हवाएं 260 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चली, जिससे बर्फीली हवाओं का असर कम हुआ है। वर्तमान में कुछ शहरों में रात का तापमान 10 से 14 डिग्री सेल्सियस के बीच बना हुआ है। सुबह के समय हल्का कोहरा छाया रहता है, जबकि दिन में सर्द हवाएं चल रही हैं।

गालियां देने से मना किया तो पीटा

पिपलियामंडी, 21 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। शराब पीकर गाली-गलौज करने की मना किया तो मारपीट कर वाहन को नुकसान पहुंचाया। पुलिस ने केस दर्ज किया। एमपीईबी ग्रीड के पास निवासरत हमेन्द्रसिंह राठौड ने पिपलिया थाने पर शिकायत दर्ज कराई कि पडोस में रहने वाला मंगल पिता उदयराम बागरी शराब पीकर गाली-गलौज करता है, उसे गालियां देने से मना किया तो हाथ-मुक्कों से का फावडे से कांच फोड दिया। पुलिस ने मंगल पर केस दर्ज किया।

एमसीएच और सीबीसी यूनिट का काम अधूरा

हैंड ओवर और नियुक्ति के बाद मिलेगा सुविधा का लाभ

मंदसौर, 21 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। ठेकेदारों की लापरवाही के चलते स्वास्थ्य सुविधाएं मिलने में लगातार देरी हो रही है। सख्ती के बाद भी बड़े अस्पताल परिसर में निर्माणाधीन मदर एंड चाइल्ड हेल्थ केयर यूनिट व क्रिटिकल केयर ब्लॉक के काम पूरे नहीं हो पाए हैं। ऐसे में हैंडओवर प्रक्रिया में भी लेटलतीफी हो रही है। कई बार समयावधि बढ़ाने के बाद भी अब मार्च तक ही दोनों यूनिट बड़े अस्पताल को हैंडओवर किए जाने की बात कही जा रही है।

बता दें कि 22 करोड 50 लाख रुपए से एमसीएच बिल्डिंग का निर्माण 2021 में शुरू हुआ था। पहले यूनिट के आसपास बाउंड्रीवॉल, बाहरी डेवलपमेंट के अलावा आंतरिक इलेक्ट्रिकल संबंधित कार्यों में भी समय लगा। वहीं प्रशासन के समक्ष भी पीआईयू विभाग के अधिकारियों ने मार्च तक हैंडओवर का दावा किया है।

उल्लेखनीय है कि बड़े अस्पताल परिसर में 4 साल से 200 बिस्तरीय मदर एंड चाइल्ड हेल्थ केयर यूनिट का काम चल रहा है। यह अब तक पूरी तरह खत्म नहीं हो पाया है। फिनिशिंग के नाम पर लंबा समय निकाल दिया गया। लगातार हो रही देरी के चलते प्रशासन ने सख्ती करते हुए माह नवंबर 2023 में ही हैंडओवर के निर्देश दिए थे। वर्तमान में अभी भी काम बाकी है। बताया यह भी जा रहा है कि फंड नहीं होने के कारण भी कार्य प्रभावित हुआ है। हालांकि अधिकारियों का कहना है कि फायनल टचिंग का काम चल रहा है। जो महीनेभर में पूरे हो जाएंगे।

इधर 14 महीने से चल रहा काम...

13.30 करोड रुपए से निर्माणाधीन सीसीबी यूनिट का निर्माण अक्टूबर 2023 में शुरू हुआ था। पूर्व में अधिकारियों ने जनवरी माह के पहले सप्ताह तक काम पूरा होने व हैंडओवर प्रक्रिया करने की बात कही थी। वर्तमान में यहां पर भी काम अधूरा है। वर्तमान में रंगरोगन सहित फिनिशिंग व अन्य कार्य करवाए जा रहे हैं। इस यूनिट में आईसीयू, आइसोलेशन वार्ड, लेबर रूम सहित मेल-फीमेल वार्ड, नर्सिंग स्टेशन सहित अन्य सुविधाओ को देखते हुए निर्माण किया है। बिल्डिंग में विशेष रैंप भी तैयार किया गया है ताकि मरीज के पहुंचते ही स्ट्रेचर के माध्यम से उसे वार्ड में शिफ्ट कर सकें। जिले में हादसे सहित अन्य कारणों के रोज औसतन 10 से 15 गंभीर मामले बड़े अस्पताल पहुंचते हैं। गंभीर स्थिति होने के चलते अधिकांश मामलों में मरीज को रेफर करना पडता है। जबकि, कुछ मामलों में मरीज निजी क्रिटिकल केयर की ओर भी रूख करते हैं। यह यूनिट शुरु होने से मरीजों को अन्य स्थानों पर भटकना नहीं पडेगा।

21 मार्च तक हैंड ओवर करने की कहा है...

काम में देरी तो हुई है। 21 मार्च तक दोनों भवनों के हैंड ओवर करने की बात कहीं गई है। हैंड ओवर होते ही शासन स्तर से नए पद भी सृजित होंगे व नियुक्तियां भी होगी।

इनका कहना...

मार्च माह में इन दोनों भवनों के हैंडओवर करने की बात कही जा रही है। हैंडओवर होते ही शासन स्तर से नए पद भी सृजित होंगे व नियुक्तियां भी होगी। एमसीएच बिल्डिंग में महिलाओं और बच्चों के इलाज में काफी राहत मिलेगी तो सीसीबी यूनिट से गंभीर मरीजों का बेहतर इलाज हो सकेगा।

डॉ. डीके शर्मा, सिविल सर्जन, बड़ा अस्पताल, मंदसौर

चम्बल में स्थित टापू पर हो रहा था डोडाचूरा का स्टॉक...

सीबीएन ने पकड़ा 20 क्विंटल से ज्यादा नशीला छिलका

शामगढ़, 21 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। नशीले पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियानों के तहत विशेष सूचना के आधार पर केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो (सीबीएन) के अधिकारियों ने शामगढ तहसील स्थित चंबल नदी के डूब क्षेत्र में करेलिया द्वीप पर एक एकांत घर की तलाशी ली और 103 बैग पोपीस्ट्रॉ (डोडाचुरा) कुल वजन 20 क्विंटल 83 किलो 400 ग्राम बरामद किया।

सीबीएन को यह सूचना मिली थी कि चंबल नदी के करेलिया द्वीप के एक एकांत घर में बडी मात्रा में पोपीस्ट्रॉ जमा किया गया है। इस पर सीबीएन की एक टीम का गठन किया गया और 21 जनवरी की सुबह कार्रवाई शुरू की गई। एक टीम नाव के माध्यम से और दूसरी टीम पैदल चलकर मौके पर पहुंची। क्योंकि, वहां मोटर योग्य सडक नहीं थी। बताया जाता है कि दोनों टीमों को वहां पहुंचने में 60 मिनट से अधिक का समय लगा। टीम जब मौके पर पहुची तो उन्होंने संदिग्ध घर की पहचान की और विधिक प्रक्रिया का पालन करते हुए घर की तलाशी ली। इस तलाशी में 103 प्लास्टिक बैग बरामद हुए, जिनमें पोपीस्ट्रॉ भरा हुआ था। सीबीएन ने बताया कि घटना स्थल की परिस्थितियों के कारण तलाशी कार्य पूरा करना संभव नहीं था। ऐसे में बरामद पोपीस्ट्रॉ को सुरक्षित करते हुए ट्रैक्टर ट्रॉली के माध्यम से मोटर योग्य सडक तक लाया गया और वहां से तीन पिकअप वाहनों में सीबीएन कार्यालय गरोठ ले जाया गया। फिर आगे की कार्यवाही सीबीएन कार्यालय में पूरी की गई और कुल 2083.400 किलोग्राम पोपीस्ट्रॉ को नारकोटिक ड्रग्स एंड सायकोट्रॉपिक सब्सटांसेज एक्ट, 1985 की संबंधित धाराओं के तहत जब्त किया गया। सीबीएन इस मामले में अभी और जांच कर रही है।

कांग्रेस का पुनरुद्धार शुरू, संगठन सुप्रीमों राहुल गांधी एक्शन में आए...

मंदसौर/उज्जैन, 21 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। कांग्रेस को फिर से एक्शन में सड़क पर लाने की कवायद तो राहुल के देशाटन के समय ही शुरू हो गई थी। किन्तु, नतीजे जो अपेक्षित थे, नहीं आ पाए थे। राहुल की लोकप्रियता में जबरदस्त इजाफा हुआ था, पर कांग्रेस का नहीं हो पाया था। इस असफलता को स्पष्ट करने वाले भी कांग्रेस में उंगलियों पर गिनने लायक है, जिनकी बात भी कोई सुनता नहीं था। राहुल की यात्रा के बाद लोकसभा चुनाव और राज्यों के चुनाव होने के दरमियान राहुल का बहुत से ऐसे लोगों से मिलना हुआ है। जो देश की प्रगति और अंतरराष्ट्रीय साख को बनाए रखने का श्रेय कांग्रेस की बीती सरकारों को और उनकी विचारधारा को देते आए हैं। ऐसे कट्टर समर्थक राजनीतिक, तकनीकी, अर्थ और मीडिया जगत के विद्वान है। इनमें से अधिकांश लोगों ने राहुल की यात्रा में किसी ने थोड़ा तो किसी ने अधिक समय बिताया था। ऐसे बौद्धिक वर्ग के महारथियों ने ही कांग्रेस में समाए स्लीपर सेलों की जानकारी उजागर करते हुए सार्वजनिक करना शुरू किया था। धीरे-धीरे स्लीपर सेलों की कांग्रेस को नुकसान पहुंचाने वाली हरकतें सतह पर भी आने लगी और प्रमाणित भी होने लगी थी। मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र और हरियाणा विधानसभा चुनाव की जीतने वाली बाजी हारने का सबसे बड़ा कारण भी कांग्रेस में ही अब अदृश्य भाजपा स्लीपर सेल को माना जा रहा है। अब कहा भी जा रहा है, माना भी जा रहा है, तब देशभर के राजनीतिक जगत में यह सवाल उठने लगा कि किसी भी स्लीपर सेल पर कार्रवाई क्यों नहीं की जा रही है।

चन्द्रमोहन भगत

बीते सप्ताह ही कांग्रेस के नए राष्ट्रीय कार्यालय के लोकार्पण के आयोजन के बाद सूत्रधार जयराम रमेश को भाजपा का स्लीपर सेल बताते हुए इसलिए कोसा गया कि उन्होंने एक भी कांग्रेस समर्थक मीडिया एजेंसी और पत्रकार को नहीं बुलाकर पार्टी की आलोचना करने वाले ए एन आई और पी टीआई को निमंत्रित किया था। इसके पहले के भी उदाहरण पहले से सतह पर आ चुके हैं। इतने के बाद भी अगर यह कारण और प्रमाण है स्लीपर सेल होने का तो जयराम रमेश अभी भी कांग्रेस संगठन में प्रमुख पद पर कैसे बने हुए हैं ! कांग्रेस मुख्यालय में पदस्थ संगठन महासचिव, मीडिया प्रचार विभाग में पदस्थ अनेकों के नाम किसी न किसी युट्यूबर ने सोशल मीडिया पर उजागर किए हैं। बावजूद इसके उन सभी की पदस्थी लोकसभा और कई राज्यों में विधानसभा चुनाव में हार के बाद भी मुख्यालय में बनी हुई क्यों है?

अपने संगठन के भीतर ही इतने विध्वंसक पाले रखने वाली कांग्रेस के सुप्रीमो राहुल गांधी के पहले एक्शन की आहट बीते 24 घंटे से सुनाई दे रही है। वह यह कि आरएसएस मुख्यालय नागपुर में मोहन भागवत के बयान कि जिस दिन से अयोध्या में रामलला मंदिर का लोकार्पण हुआ है, उसी दिन से देश को सही आजादी मिली है, के विरोध में जन आंदोलन करने का राहुल गांधी ने आव्हान किया था। निचले स्तर के जमीनी कार्यकर्ताओं के समूह तो सड़कों पर उतरे थे, पर विभिन्न पदों पर आसीन 60 पदाधिकारी जो सड़कों पर नहीं आए थे सभी को एक साथ राहुल गांधी ने पद मुक्त कर दिया है।

राष्ट्रीय राजनीति में यह एक आहट है, लेकिन, कांग्रेस संगठन में ज्वालामुखी की तरह भभक रही है कि अब और किस-किस पर गाज गिरने वाली है। एक पखवाड़े पहले अनेक राजनीतिक संगठनों में बलात सलाहकार बन जाने वाले योगेंद्र यादव को भी किनारे किया गया था। कांग्रेस के संगठन सूत्रों का दावा है कि सिर्फ नागपुर ही नहीं सभी प्रदेशों तथा जिला संगठनों में भी स्लीपर सेलों की खोज जारी है। अंबेडकर, संविधा और रमेश विधूडी के महिला अपमान मामलो में कितने नेता घरों में दुबके रहे और कार्यकर्ता सड़कों पर उतरे थे, उसके बाद सभी जगह की कांग्रेस में राहुल के एक्शन की आहट सुनाई देगी।

कुएं में मिला महिला का शव

मंदसौर, 21 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। मल्हारगढ़ में रेलवे स्टेशन रोड स्थित सर्किट हाउस के पीछे बने कुएं में एक महिला का शव मिला है। जिसकी शिनाख्त ज्योतिबाला उर्फ टीना गायरी उम्र 30, निवासी बड़ी गुड़भेली के रुप में हुई है। मंगलवार सुबह लोगों ने कुएं में पानी पर उपर आया शव देखा। इसके बाद पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने शव को बाहर निकालकर पोस्टमार्टम के लिए पहुंचाया। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरु की है।

मारपीट पर दम्पत्ति के खिलाफ प्रकरण दर्ज

पिपलियामंडी, 21 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। मकान खरीदी के विवाद में मारपीट के मामले में पुलिस ने केस दर्ज किया। रतन पिपलिया निवासी भोपालसिंह पिता मदनसिंह राजपूत ने नाहरगढ थाने पर शिकायत दर्ज कराई कि मकान खरीदी के विवाद में देवीलाल पिता वरदीचंद धनगर व उसकी पत्नी सुनीता ने गाली-गलौज कर मारपीट की। पुलिस ने दम्पत्ति पर केस दर्ज किया।

विचार-मंथन

सिर्फ औपचारिकता नहीं है राष्ट्राध्यक्षों को आमंत्रण

भारत के मित्र देश इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबिआंतो आगामी गणतंत्र दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर शिरकत करेंगे. भारत के गणतंत्र दिवस समारोह में राष्ट्राध्यक्षों को आमंत्रित करना सिर्फ एक औपचारिकता नहीं है, बल्कि यह भारत की विदेश नीति का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है. यह द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने, सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देने और अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत की उपस्थिति को मजबूत करने का एक महत्वपूर्ण तरीका है. देखा जाए तो गणतंत्र दिवस पर राष्ट्राध्यक्षों को आमंत्रित करना भारत और उस देश के बीच मजबूत और मैत्रीपूर्ण संबंधों का प्रतीक है. यह दोनों देशों के बीच राजनीतिक, आर्थिक और सांस्कृतिक सहयोग को बढ़ावा देने का एक अवसर है. कुछ मामलों में, यह निमंत्रण रणनीतिक साझेदारों के साथ संबंधों को गहरा करने का एक तरीका है, खासकर उन क्षेत्रों में जहां साझा हित हैं. गणतंत्र दिवस एक ऐसा मंच प्रदान करता है जहां भारत अपने अंतरराष्ट्रीय भागीदारों के साथ जुड़ सकता है और वैश्विक मुद्दों पर अपनी राय रख सकता है. यह भी ध्यान रखना होगा कि गणतंत्र दिवस भारत के लोकतांत्रिक मूल्यों, सांस्कृतिक विविधता और प्रगति को प्रदर्शित करने का एक मंच है. एक विदेशी राष्ट्राध्यक्ष की उपस्थिति इस अवसर को और भी अधिक महत्वपूर्ण बनाती है और दुनिया भर में भारत की सकारात्मक छवि को बढ़ावा देती है. एक बात और कि यह कभी-कभी एक राजनीतिक संकेत भी हो सकता है. उदाहरण के लिए, किसी विशेष देश को आमंत्रित करना उस देश के प्रति भारत के समर्थन या प्रशंसा का संकेत हो सकता है. महत्वपूर्ण यह भी है कि कभी-कभी किसी विशिष्ट वर्षगांठ या घटनाक्रम को चिह्नित करने के लिए एक विशेष राष्ट्राध्यक्ष को आमंत्रित किया जाता है. संयोग से पहले गणतंत्र दिवस समारोह में भी इंडोनेशिया के ही राष्ट्रपति सुकर्णो मुख्य अतिथि थे. वे भारत के मित्र होने के साथ-साथ एक करिश्माई नेता थे, जिन्होंने इंडोनेशिया को डच औपनिवेशिक शासन से मुक्ति दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई. वे एक प्रभावशाली वक्ता और राष्ट्रवादी नेता थे. भारत सरकार ने उन्हें बहुत सोच-विचार करने के बाद देश के पहले गणतंत्र दिवस समारोह के लिए आमंत्रित किया था. सुकर्णो भारत के एक बहुत बड़े प्रशंसक थे और उन्होंने भारत के साथ घनिष्ठ संबंध बनाए रखे. उनके भारत के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू, ओडिशा के पूर्व मुख्यमंत्री बीजू पटनायक और कई अन्य नेताओं से गहरे संबंध थे. उन्होंने गुटनिरपेक्ष आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी. भारत का पहला गणतंत्र दिवस समारोह राजधानी के नेशनल स्टेडियम (अब ध्यानचंद नेशनल स्टेडियम) में आयोजित किया गया था. पहले और 76वें गणतंत्र दिवस पर इंडोनेशिया के राष्ट्रपति का मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होना भारत और इंडोनेशिया के बीच गहरे संबंधों का एक स्पष्ट प्रमाण है।

9ए कोटला मार्ग कांग्रेस के लिए नया अध्याय लिखेगा

नीरज कुमार दुबे

दिल्ली के लुटियंस जोन में स्थित '24 अकबर रोड' की पहचान बीते करीब पांच दशकों से भले ही कांग्रेस के मुख्यालय की है, लेकिन यह पता कई ऐसे फैसलों, नीतियों और घटनाओं का गवाह है जो देश की सबसे पुरानी पार्टी के साथ भारत के लिए भी परिवर्तनकारी एवं ऐतिहासिक साबित हुए। इस पते ने इंदिरा गांधी से लेकर मल्लिकार्जुन खरगे तक सात कांग्रेस अध्यक्ष देखे। यह इंदिरा गांधी और राजीव गांधी की दुखद हत्या, सीताराम केसरी की अध्यक्ष पद से विदाई, 1980 में इंदिरा गांधी की सत्ता में वापसी, 1984 की प्रचंड जनादेश वाली जीत, 1991, 2004 और 2009 की गठबंधन वाली सरकार, 2014 और 2019 की करारी हार तथा 2024 की हार में भी भविष्य की उम्मीद समेत कई उतार-चढ़ाव वाले ऐतिहासिक पलों का साक्षी है। अब कांग्रेस ने आज से 24 अकबर रोड से कुछ किलोमीटर दूर '9ए कोटला' मार्ग पर अपना मुख्यालय स्थानांतरित कर लिया। कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी ने नए मुख्यालय का उद्घाटन किया। हालांकि पार्टी ने स्पष्ट किया है कि वह '24 अकबर रोड' को खाली नहीं करेगी। हम आपको बता दें कि देश की आजादी के बाद से कांग्रेस का मुख्यालय '7 जंतर-मंतर रोड' हुआ करता था लेकिन आपातकाल के बाद की चुनावी हार और फिर कांग्रेस के विभाजन के बाद बदली परिस्थितियों के

बीच 1978 में यह पता बदल गया। उस समय मुश्किल दौर का सामना कर रहीं इंदिरा गांधी को उनके नेतृत्व वाली कांग्रेस (आई) के राज्यसभा सदस्य जी. वेंकटस्वामी ने अपने आधिकारिक निवास '24, अकबर रोड' को पार्टी के कामकाज के लिए दे दिया। इसके बाद से लुटियंस जोन में सफेद रंग का यह बंगला कांग्रेस मुख्यालय बन गया। महत्वपूर्ण बात यह है कि '24 अकबर रोड' पर कांग्रेस ने 1980 में इंदिरा गांधी के नेतृत्व में सत्ता में वापसी की। वर्ष 1984 में उनकी हत्या के बाद हुए लोकसभा चुनाव में पार्टी ने 400 से अधिक सीटें जीतीं थीं। इसके बाद के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को हार का सामना करना पड़ा और तत्कालीन पार्टी अध्यक्ष और प्रधानमंत्री राजीव गांधी की सत्ता से विदाई हो गई। वर्ष 1991 के चुनाव से पहले राजीव गांधी की हत्या हो गई, हालांकि पार्टी ने गठबंधन की बदौलत सत्ता में वापसी की और फिर '24 अकबर रोड' पर पी वी नरसिम्हा राव के वर्चस्व का दौर शुरू हुआ। इसके कुछ साल बाद सीताराम केसरी अध्यक्ष बने, हालांकि 'मंडल' और 'कमंडल' के प्रभुत्व वाली राजनीति के उस दौर में कांग्रेस का ग्राफ नीचे की ओर जाने लगा। फिर कांग्रेस के भीतर सोनिया गांधी को पार्टी की कमान सौंपने की मांग तेज होने लगी। इसके बाद, वर्ष 1998 में सोनिया गांधी की सक्रिय राजनीतिक पारी की शुरू हुई और केसरी की '24 अकबर रोड' से विदाई हुई। कांग्रेस के विरोधी यह आरोप भी लगाते हैं कि केसरी के साथ पार्टी मुख्यालय में अपमानजनक व्यवहार किया गया। सोनिया गांधी के कांग्रेस अध्यक्ष का पदभार संभालने के बाद '24 अकबर रोड' की धमक फिर से बढ़ने लगी और कांग्रेस का ग्राफ भी तेजी से उठने लगा। वर्ष 1999 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस की हार के बावजूद पार्टी ने 2004 के चुनाव में शानदार वापसी की और उसके नेतृत्व में संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) की सरकार बनी। 2009 के चुनाव में कांग्रेस का ग्राफ और बढ़ा तथा उसने खुद की 200 से अधिक सीटों और गठबंधन के सहयोगियों की बदौलत सत्ता बरकरार रखी। वर्ष 2014 में कांग्रेस के लिए मुश्किल दौर शुरू हुआ और उस चुनाव में पार्टी अपने इतिहास में 44 सीटों के सबसे न्यूनतम आंकड़े पर सिमट गई। इसके अगले चुनाव में भी कांग्रेस की करारी हार हुई और उसे मात्र 52 सीटें मिलीं। इस मुख्यालय पर कांग्रेस का आखिरी लोकसभा चुनाव 2024 का रहा जिसमें पार्टी की हार हुई, लेकिन उसने 99 सीटें हासिल कीं और यह उम्मीद पैदा हुई कि भारतीय राजनीति में वह अपना पुराना गौरव फिर से हासिल कर सकती है। कांग्रेस का मुख्यालय '24 अकबर रोड' पर रहते हुए इंदिरा गांधी, राजीव गांधी, नरसिम्हा राव, सीताराम केसरी, सोनिया गांधी, राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे ने पार्टी की कमान संभाली। कांग्रेस मुख्यालय बनने से पहले इस इमारत में 1961 से दो साल तक म्यांमार की लोकतंत्र समर्थक नेता और नोबेल शांति पुरस्कार पाने वाली आंग सान सू की यहां रही थीं। सू की उस समय करीब 15 साल की थीं और अपनी राजनयिक मां के साथ यहां आई थीं। उस समय '24 अकबर रोड' को 'बर्मा हाउस' के नाम से जाना जाता था। वैसे, इस भवन का निर्माण अंग्रेजी हुकूमत में एडविन लुटियंस ने 1911 और 1925 के बीच करवाया था। अब कांग्रेस का जो नया मुख्यालय बना है उसको लगभग 242 करोड़ रुपये की लागत से तैयार किया गया है। इंदिरा गांधी भवन को पार्टी और नेताओं की आवश्यकताओं के हिसाब से डिजाइन किया गया है। इस मुख्यालय में प्रशासनिक, संगठनात्मक और रणनीतिक गतिविधियों का ठीक से संचालन करने के लिए आधुनिक सुविधाएं हैं। इस भवन का नामकरण पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के नाम पर किया गया है। इंदिरा भवन में आधुनिक सुविधाओं और टेक्नोलॉजी के ज्यादा से ज्यादा उपयोग का विशेष ध्यान रखा गया है। बैठक कक्ष, पुस्तकालय, मीडिया सेंटर, कैफेटेरिया, सम्मेलन कक्ष आदि कांग्रेस की कार्यशैली को और उन्नत बनाएंगे। हम आपको यह भी बता दें कि इस नये मुख्यालय में ऊर्जा दक्षता का विशेष ध्यान रखा गया है। इंदिरा भवन को ग्रीन बिल्डिंग के मानकों के अनुरूप बनाया गया है। भवन की वास्तुकला इसे भव्य दर्शाती है। इंदिरा भवन पार्टी की विरासत को संरक्षित रखते हुए आधुनिकता का प्रतीक भी है। इस भवन का निर्माण एलएंडटी ने किया है।

सैटेलाइट जोड़ने से अंतरिक्ष बाजार में बढ़ी भारत की साख

निरंकार सिंह

भारत ने अंतरिक्ष में एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के स्पैडेक्स मिशन ने ऐतिहासिक 'डॉकिंग' में सफलता हासिल की है। भारत यह उपलब्धि हासिल करने वाला अमेरिका, रूस और चीन के बाद चौथा देश बन गया है। इसरो ने पहले पृथ्वी की कक्षा में दो उपग्रहों को सफलतापूर्वक स्थापित किया, फिर दोनों को आपस में जोड़ दिया। यह एक बड़ी कामयाबी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वाभाविक ही इस ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए इसरो को बधाई देते हुए कहा कि आने वाले वर्षों में भारत के महत्वाकांक्षी अंतरिक्ष मिशनों के लिए यह एक महत्वपूर्ण कदम है। इससे पहले 7 और 9 जनवरी को तकनीकी कारणों से इसे टाल दिया गया था। 12 जनवरी को इसरो ने एक परीक्षण किया, जिसमें उपग्रहों को तीन मीटर की दूरी तक लाया गया और फिर आगे के विश्लेषण के लिए उनको सुरक्षित दूरी पर ले जाया गया। इसरो ने स्पैडेक्स मिशन के तहत अंतरिक्ष में दो उपग्रहों को जोड़ने का चौथा प्रयास किया था, जो सफल रहा। इसरो ने अपने बयान में कहा कि दो उपग्रहों को जोड़ने के बाद, दोनों को एक ही वस्तु के रूप में नियंत्रित करने में उसे सफलता मिली है। आने वाले दिनों में उपग्रहों को अलग करने व विद्युत हस्तांतरण की जांच की जाएगी। भारत ने यह मिशन पूरा करके शून्य गुरुत्वाकर्षण में जटिल तकनीकी उपलब्धि हासिल की है। इस ऐतिहासिक उपलब्धि के बाद इसरो ने सोशल मीडिया 'एक्स' पर अपने हैंडल से पोस्ट किया- 'भारत ने अंतरिक्ष अभियान के इतिहास में अपना नाम दर्ज कर लिया है। इस क्षण का गवाह बनकर गर्व हो रहा है'। यह इसलिए भी बड़ी बात है, क्योंकि इससे पहले केवल अमेरिका, चीन और रूस ही अंतरिक्ष में सैटेलाइट डॉकिंग कर पाए हैं। अब भारत ने भी इस छोटी, लेकिन महत्वपूर्ण सूची में अपना नाम दर्ज करा लिया है। वास्तव में, डॉकिंग बहुत ही जटिल प्रक्रिया होती है, जिसमें उपग्रहों को आगे-पीछे ले जाया जाता है, जिसे इसरो ने अंतरिक्ष में दो उपग्रहों के 'रोमांचक हैंडशेक' के रूप में वर्णित किया। यह तकनीक तब आवश्यक होती है, जब सामान्य मिशन के लिए कई रॉकेट लॉन्च करने की जरूरत पड़ती है। चूंकि यह एक कठिन प्रक्रिया है, इसलिए इसके लिए इसरो ने ट्रायल भी किए। इस मिशन की कामयाबी से चंद्रयान-4, गगनयान और भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन जैसे मिशनों की राह आसान

हुई है। चंद्रयान-4 मिशन में चंद्रमा की मिट्टी के सैंपल पृथ्वी पर लाए जाएंगे, वहीं गगनयान मिशन में इंसान को अंतरिक्ष में भेजा जाएगा। इसरो के लिए इस मिशन का सफल होना बहुत जरूरी था, क्योंकि इसका उपयोग उपग्रहों की सर्विसिंग, अंतरिक्ष स्टेशन संचालन और ग्रहों के बीच आपस में चल रहे मिशनों में खूब होता है। भारत की यह सफलता अंतरिक्ष में छिपे कई रहस्यों और जानकारियों के उद्घाटन में बहुत काम आएगी। उल्लेखनीय है कि इसरो ने पीएसएलसी-सी 60 की मदद से इन दोनों उपग्रहों को श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से लॉन्च किया था। रॉकेट ने उड़ान भरने के करीब 15 मिनट बाद 220 किलोग्राम वजन वाले इन दोनों उपग्रहों को 475 किलोमीटर ऊपर की कक्षा में स्थापित किया था। तकनीकी दक्षता के साथ-साथ इस मिशन के जरिये भारत वैश्विक व्यावसायिक अंतरिक्ष बाजार में अपनी जगह सुनिश्चित कर रहा है। 2030 तक यह बाजार एक ट्रिलियन डॉलर का हो सकता है। फिलहाल इसमें भारत की हिस्सेदारी सिर्फ आठ अरब डॉलर की है। सरकार का लक्ष्य 2040 तक इसे बढ़ाकर 44 अरब डॉलर करना है। इस लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए ही सरकार ने श्रीहरिकोटा में तीसरे लॉन्च पैड के निर्माण को मंजूरी दी है। इस प्रोजेक्ट की लागत 3,985 करोड़ रुपये है और इसके 48 महीने में पूरा होने का अनुमान है। फिलहाल यहां दो लॉन्च पैड मौजूद हैं। नया लॉन्च पैड इन दोनों लॉन्च पैड से अधिक क्षमता वाला होगा। नए लॉन्च पैड को अंतरिक्ष क्षेत्र की भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए बनाया जाएगा। इस पैड के बनने पर अंतरिक्ष में भेजे जाने वाले सैटेलाइट और स्पेसक्राफ्ट के प्रक्षेपण में तेजी लाई जा सकेगी। इससे भारत अपनी जरूरत के मिशन को अंजाम देने के साथ-साथ विश्व की मांग भी पूरी कर सकेगा। सरकार के ताजा फैसले से नई पीढ़ी के लॉन्च व्हीकल प्रोग्राम को आगे बढ़ाने में भी मदद मिली है।

मेटा की माफी से सोशल मीडिया मंचों को सख्त सन्देश

मेटा अपने व्यापार को भारत में विस्तारित करने के लिये विभिन्न योजनाओं पर काम भी कर रहा है। भारत मेटा के लिए बहुत अहम देश है। फेसबुक, इंस्टाग्राम और वॉट्सएप की पेरेंट कंपनी मेटा चेन्नई में रिलायंस इंडस्ट्रीज के कैंपस में भारत में अपना पहला डेटा सेंटर स्थापित कर सकती है। फेसबुक के लिये भारत एक संभावनाओं भरा बड़ा बाजार होने के बावजूद उसकी भारत के प्रति सोच भ्रामक, विवादास्पद एवं नकारात्मक रही है। फेसबुक और मेटा भारत के तथ्यों के साथ छेड़छाड़ और फेकन्यूज को लेकर विवादों में घिरती रही है। हाल ही में मेटा के सीईओ मार्क जुकरबर्ग एक बार फिर भारत को लेकर दिये गलत बयान के मामले में फंस गए हैं। जुकरबर्ग ने एक पॉडकास्ट में कहा था कि कोरोना के बाद दुनिया के कई देशों में मौजूदा सरकारें गिर गई। भारत के लोकसभा चुनाव में भी नरेन्द्र मोदी सरकार हार गई। यह जनता का सरकारों में घटता भरोसा दिखाता है। इस बयान के बाद संसद की आईटी एंड कम्युनिकेशन मामलों की स्टैंडिंग कमिटी के अध्यक्ष और भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने कहा था कि इस गलत बयान पर कंपनी को माफी मांगनी चाहिए। वरना हमारी समिति उन्हें मानहानि का नोटिस भेजेगी। भारत सरकार की सख्त आपत्ति को देखते हुए भले ही मेटा ने माफी मांग ली हो, लेकिन मार्क भरोसे के लायक नहीं है। यह माफी जहां जरूरी थी वहीं अब स्वागतयोग्य भी है। लेकिन मार्क का भारत के प्रति नजरिया गैर जिम्मेदाराना, लापरवाहीपूर्ण एवं दोषपूर्ण है। ऐसी निरंकुश सोच एवं उच्छृंखल मानसिकता की बुनियाद पर संबंधों की खड़ी होने वाली इमारत खोखली एवं विनाशकारी ही होती है। यह वाकई हैरत की बात है कि जुकरबर्ग ने भारत को भी उन देशों में शामिल कर लिया जहां पिछले साल चुनाव में सरकारों ने सत्ता गंवाई। तथ्य यह है कि भाजपा की सीटें भले कम हुई हों, लेकिन सत्तारूढ़ गठबंधन एनडीए ने बहुमत हासिल कर सरकार में वापसी की एवं सफलतापूर्वक सरकार को चला रही है। नरेंद्र मोदी लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री बने और न केवल देश में बल्कि दुनिया में भारत का परचम फहरा रहे है। इस तथ्य से जकरबर्ग कैसे अनजान हो सकते हैं? क्या वह जानबूझकर भारत सरकार के बारे में गलत सूचनाएं फैला रहे हैं? क्या यह शक्तिशाली एवं विकसित राष्ट्रों के साथ-साथ वहां की बड़ी आर्थिक शक्तियों की भारत के प्रति विरोधाभासी दुर्भावना नहीं है। कैसे मान लिया जाये कि यह गलती अनजाने में हुई है? क्या दुनिया के सबसे बड़े सोशल मीडिया मंच फेसबुक को संभालने वाली इतनी बड़ी कंपनी के मालिक से ऐसी गलती की उम्मीद की जा सकती है और ऐसी गलती उनको शोभा देती है कि वह भारत जैसे देश के चुनाव परिणाम से परिचित न हों? अगर यह गलती जुकरबर्ग से भूल या अनजाने में हुई है, तो भी यह गंभीर बात है। मेटा इंडिया भी जुकरबर्ग की ही कंपनी है, जिसके एक आला अधिकारी ने कहा है कि अमेरिकी बहुराष्ट्रीय प्रौद्योगिकी समूह मेटा के लिए भारत एक अविश्वसनीय रूप से महत्वपूर्ण एवं संभावनाभरा खास देश बना हुआ है। मेटा अपने व्यापार को भारत में विस्तारित करने के लिये विभिन्न योजनाओं पर काम भी कर रहा है। भारत मेटा के लिए बहुत अहम देश है। फेसबुक, इंस्टाग्राम और वॉट्सएप की पेरेंट कंपनी मेटा चेन्नई में रिलायंस इंडस्ट्रीज के कैंपस में भारत में अपना पहला डेटा सेंटर स्थापित कर सकती है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, मार्च 2024 में जामनगर में हुए बिजनेसमैन मुकेश अंबानी के छोटे बेटे अनंत अंबानी की प्री वेडिंग फंक्शन में जुकरबर्ग शामिल हुए थे।

आज का राशिफल

मेष [illegible]

वृषभ [illegible]

मिथुन [illegible]

कर्क [illegible]

सिंह [illegible]

कन्या [illegible]

तुला [illegible]

वृश्चिक [illegible]

धनु [illegible]

मकर [illegible]

कुंभ [illegible]

मीन [illegible]

सुडोकू पहेली — क्रमांक-5485

	5				4		6	
3				6	8	2		
4	6			9				1
					1		4	
	3	4		5		7	2	
	9		2					
6				8			7	9
		9	3	2				8
	7		9				5	

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5484

3	2	6	8	4	5	1	7	9
4	8	7	6	1	9	5	2	3
9	1	5	7	2	3	6	8	4
7	9	2	5	6	8	4	3	1
6	4	8	3	9	1	7	5	2
1	5	3	4	7	2	8	9	6
2	6	1	9	5	7	3	4	8
8	7	4	2	3	6	9	1	5
5	3	9	1	8	4	2	6	7

वर्ग पहेली 5485

संकेत: बाएं से दाएं

1. 1982 को भारत की सबसे बड़ी बहुउद्देशीय नदी घाटी परियोजना राष्ट्र को समर्पित की (6)
7. केसलता, बालों का गुच्छा जो गाल पर लटके (2)
8. आढ़त, कमीशन, दलाली (5)
10. स्थानीय (अंग्रेजी) (3)
11. घड़ियाल, नकरा का अपभ्रंश (2)
12. चैत्र माह का प्रसिद्ध आम (2)
13. 332 द्वीपों वाले इस देश की राजधानी सुवा है (2)
14. वचन, इकरार, प्रतिज्ञा (2)
16. नायक (अंग्रेजी) (2)
17. उत्कृष्ट, नितांत अंतिम, छोरतम (3)
18. भास्कर, दिनपति, सूर्य (3)
19. पसंद आना, फबना, शोभित होना (2)
20. ग्राम, देहात (2)
21. राजद्रोही, बगावत करने वाला (2)
22. सुगंधित, खुशबूदार, सुवासित (2)
23. [illegible], शतरंज की एक मोहर (3)

ऊपर से नीचे

1. मस्तक में तीसरा नेत्र होने के कारण भगवान शंकर का एक नाम (5)
2. खटका होना, चुभना, खलना (4)
3. चौड़े मुंह का गोल पेंदे वाला पात्र जो मिट्टी आदि का बना होता है (2)
4. गाढ़ा, [illegible] बहुत अधिक पका हुआ (2)
5. प्यारा बालक, दुलारा लड़का (3)
6. कीमत, दाम, कर, महसूल (2)
9. सप्ताह के दिनों में से एक (4)
13. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के नेता व पत्रकार जो लोकसभा के सदस्य भी रहे (निधन 8 सितंबर 1960) (5)
15. आंचल या पल्ला पकड़ने वाला (5)
16. पंजाब की प्रसिद्ध प्रेमकथा की नायिका (2)
17. पंख, डैना (2)
18. निर्जन, वीरान, जनहीन, एकांत (2)
19. उबला हुआ चावल (2)
21. शर्म, हया, शालीन होने का भाव (2)

वर्ग पहेली 5484 का हल

गुरु अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाता है गुरु बिना घोर अंधेरा-पं.नागरजी

सुवासरा, 21 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। चिंतामण गणेश मंदिर पावन धरती पर गोपाल कृष्ण गौशाला पर कथा के पांचवें दिन कथा का रसपान करवाते हुए सरस्वती के व्ररद पुत्र पंडित कमल किशोर नागर ने कहा सतगुरु कभी बैकुंठ नहीं जाता भेज देता है !

उदाहरण देते हुए कहा बस कंडक्टर कभी भी सीट पर नहीं बैठता है हमेशा दूसरों को बिठाने का प्रयास करता है हाथ में पेन रहता है कहता है कि आओ मैं जगह कर दूंगा शाम को सेठ जी को हिसाब देना होता है जब शाम को सेठ को हिसाब देता है तो सेठ अच्छी सवारी मिलती है तो प्रसन्न हो जाता है इस तरह हमारा सतगुरु बैकुंठ नहीं जाता है भेज देता है अगर लोग यहां गुरु शरण में चले जाते हैं तो भगवान अवश्य प्रसन्न होता है पंडित नगर ने कहा कि अच्छे से जुड़े रहना। देव पुरुष का कभी अपमान नहीं करना चाहिए उन्हें प्रणाम करना चाहिए। जिस प्रकार राम जी ने हनुमान जी से राम रावण युद्ध के बाद पूछा था आप भी बैकुंठ चलो तब हनुमान जी ने कहा नहीं चलूंगा मैं तो जहां आपकी कथा होगी वही रहूंगा। जिनके कंठ में राम नाम की कंठी बंधी रहती है वह स्वयं बैकुंठ है। कंठ में केशव नाम रहे श्री मुख से भजन करते। जो आत्मा दर्शन योग्य होती हैं एक परिवार का उदाहरण देते हुए कहा कि एक परिवार में एक दिन घर में सांप जैसी रस्सी की छाया उस, घर वाले के लोगों ने देखी वह जान रहे थे क हमारे घर में सांप घुस गया वहां से नहीं हिल सब टोटके कर लिए परंतु घर में सांप नहीं था एक डोरी पड़ी हुई थी तब वहां से एक महात्मा गुजरते हैं और परिवार वाले से पूछते हैं गुरुजी हमारे घर में एक सांप कल से बैठा है और ठस से मस नहीं हो रहा है तब संत ने कहा अगर मेरी बात मानो तो एक दीपक जला दो। तब उसे परिवार वाले ने दीपक जलाकर देखा तो वहां पर एक रस्सी पड़ी हुई थी उसी प्रकार जीवन में हमेशा सद्गुरु की आवश्यकता होती है। पंडित नागर भक्त शब्द पर जोर देते हुए कहा भगत वह होता है जो गलत कण अंदर नहीं जाने देता है सबसे मिलकर रहता है, कभी दुख में जाकर खड़ा हो जाता है ऐसे लोगों से परमात्मा से तार जुड़ा होता है इन लक्षणों से भरा व्यक्ति भगत होता है। सब देशों में भारत महान क्यों

कहलाया...? इसलिए कहलाया मेरा भारत हमेशा संयम बरसता है भारत में गंगा ग्रंथ संत है इसलिए हमारा भारत महान है व्यास पीठ से पंडित नागर ने सरहद पर रिटायर्ड हुए सैनिकों का सम्मान किया इस घड़ी पर पंडित नागर का भी सैनिक वर्दी से सैनिकों ने सम्मान किया। सम्मान का आभार प्रकट करते हुए पंडित नागर ने कहा हम सरहद पर तो नहीं जा सकते हैं परंतु अन्याय के खिलाफ लड़ते रहेंगे। हमारा सैनिक जब भी सीमा पर जाता है धन के लिए नहीं वतन के लिए जाता है पंडित नागर ने कथा के बीच में, समदर्शी नाम तुम्हारा चाहो तो पर करो अवगुण चित ना धरो प्रभु हमारे अवगुण माफ करो। जल बिन मछली प्यासी मुझे सुन सुन आवे हंसी भजनों के माध्यम से श्रोताओं कथा का रसपान करवाया।

8 वाहिनों द्वारा निकाला जायेगा शिशु मंदिर के भैया/बहिनों संचलन

मंदसौर, 21 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। सुभाषचन्द्र बोस जयंती के अवसर पर नगर में 23 जनवरी को सरस्वती शिशु मंदिर केशव नगर, मंदसौर द्वारा भैया/बहिनों का संचलन एवं शोभा यात्रा निकाली जायेगी जिसमें 8 वाहिनायों आकर्षक का केन्द्र होगी। विद्यालय के प्राचार्य श्री संतोष यादव ने जानकारी देते हुए बताया कि विद्या भारती के प्रो. राजेन्द्रसिंह शिक्षण समिति द्वारा संचालित सरस्वती शिशु मंदिर केशव नगर व अभिनन्दन नगर विद्यालय के भैया/बहिनों का संचलन निकाला जायेगा जिसमें सुभाष चन्द्र बोस वाहिनी, दण्ड वाहिनी, कलश वाहिनी, लेजिम वाहिनी, तिरंगा वाहिनी, देवी अहिल्या बाई झांकी, राम दरबार झॉकी होगी यह संचलन घोष के साथ विद्यालय से नगर के प्रमुख मार्ग, सम्राट मार्केट, घण्टा घर, कालाखेत, दयामंदिर रोड गांधी चैराहा पर पिरामिड प्रदर्शन के पश्चात बस स्टेण्ड बडे बालाजी, भारत माता चौराहा होते हुए पुन: विद्यालय में समापन होगा।

श्री राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा की वर्षगांठ अवसर पर हवन एवं महाआरती आज

मंदसौर, 21 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। अयोध्या में श्री राम जन्मभूमि पर नव निर्मित भव्य मंदिर में भगवान श्री रामलला की मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा के प्रथम स्थापना वर्ष पर सिद्धी विनायक गणेश मंदिर जिला सहकारी बैंक परिसर सुचित्रा टॉकिज के पास नई आबादी मंदसौर पर 22 जनवरी 2025 बुधवार सायं 5 बजे हवन प्रारम्भ होगा। पूर्णाहुती के पश्चात सायं 6:30 बजे महाआरती कर 151 किलो हलवा का भोग लगाकर भक्तो में प्रसाद का वितरण होगा। सिद्धी विनायक गणपति उत्सव समिति के अध्यक्ष पुरुषोत्तम चंदवानी, सचिव पारस मावर ने बताया की हम सोभाग्यशाली है कि श्रीराम मंदिर निर्माण के हम सभी साक्षी बने प्रथम वर्षगांठ के उपलक्ष्य में श्री गणेश मंदिर की आकर्षक साज-सज्जा, झण्डे, बेनर, विद्युत रोशनी से मंदिर जगमगायेगा। मंदिर उत्सव समिति के स्थायी पदाधिकारीगण, संरक्षकगण श्री राजेन्द्र अग्रवाल, श्री त्रिलोकसिंह नारंग, संयोजकगण सर्वश्री दिलीप मेहता, दिनेश सेठिया, प्रदीप चंदवानी, उपाध्यक्षगण सर्वश्री सुरेश कालानी, अशोक छिंगावत, मिलिन्द जिलेवाल, रमेश गंगवानी, प्रविण गुप्ता, सह सचिव निलेश जैन, कोषाध्यक्ष योगेश याग्निक, सह कोषाध्यक्ष जगदीश सेठिया, श्री सन्नी बूलचंदानी, कार्यसमिति सदस्य सर्वश्री सुन्दर आंजना, कपिल सैनी, कमलेश बटवाल, मुकेश प्रजापत, रमेशसिंह राठौड, बसंत प्रजापत सहित अन्य भक्तो ने धर्मप्रेमी सज्जनों एवं माता बहीनों से आयोजन में शामिल होने की अपील की।

स्वच्छता ही सेवा हमारा स्वभाव हो

मंदसौर, 21 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। केन्द्रीय संचार ब्यूरो द्वारा आज दिनांक 21 जनवरी, 2025 को खिडकी माता मन्दिर परिसर एवं शिवना नदी के तट पर स्वच्छता ही सेवा पखवाडे के तहत श्रमदान कर साफ-सफाई की गई। सीबीसी प्रभारी देवेन्द्र कुमार ने बताया कि व्यक्तिगत, सामाजिक एवं मानसिक स्वच्छता हमारे स्वभाव में हो। जशोदा परमार ने आगन्तुक श्रद्धालुओं से स्वच्छता बनाये रखने एवं मन्दिर परिसर में लगे कचरा पात्रों का प्रयोग करने की अपील की। कार्यक्रम के दौरान सभी ने स्वच्छता बनाये रखने का संकल्प लिया। इस अवसर पर सामाजिक कार्यकर्ता भेरूलाल, पुष्करलाल परमार, कंवरलाल, ललित कुमार इत्यादि उपस्थित रहे।

भामसं के राष्ट्रीय एवं प्रदेश पदाधिकारी ने बैठक लेकर विभिन्न गतिविधियों पर की चर्चा

मंदसौर, 21 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। भारतीय मजदूर संघ द्वारा चलाए जा रहे श्रमिक संपर्क अभियान पूरा होने के पश्चात 16 से 31 जनवरी 2025 तक निधि संग्रह अभियान के तहत भारतीय मजदूर संघ के राष्ट्रीय मंत्री एवं मध्यप्रदेश के प्रभारी श्री राधाकृष्ण केरल, मध्यप्रदेश भारतीय मजदूर संघ के महामंत्री श्री कुलदीप सिंह गुर्जर, क्षेत्रीय संगठन मंत्री श्री सुनील किरवाई, पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष व पूर्व असंगठित कामगार कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष श्री सुल्तान सिंह शेखावत मन्दसौर के प्रवास पर आए। स्थानीय चंबल कॉलोनी स्थित श्रम कल्याण केंद्र सभागार में भारतीय मजदूर संघ जिला मंदसौर की एक वृहद बैठक जिला अध्यक्ष राकेश शर्मा की अध्यक्षता में संपन्न हुई। जिसमें उपरोक्त राष्ट्रीय एवं प्रदेश पदाधिकारियों के साथ मंदसौर-नीमच विभाग प्रमुख श्री गोपाल जामलिया, पूर्व जिलाध्यक्ष अशोक रामावत विशेष रूप से उपस्थित थे।

बैठक में भारतीय मजदूर संघ द्वारा चलाई जा रहे विभिन्न गतिविधियों पर

विस्तार से चर्चा की गई। संगठन के आगामी कार्यक्रमों की जानकारी प्रदेश महामंत्री ने दी। बैठक को क्षेत्रीय संगठन मंत्री श्री सुनील किरवाई, प्रदेश महामंत्री श्री कुलदीप सिंह गुर्जर, असंगठित कामगार कल्याण बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष श्री सुल्तान सिंह शेखावत, राष्ट्रीय मंत्री एवं मध्यप्रदेश के संगठन प्रभारी श्री राधाकृष्ण केरल, मंदसौर-नीमच विभाग प्रमुख श्री गोपाल जामलिया भारतीय मजदूर संघ जिला मंदसौर के पूर्व अध्यक्ष अशोक रामावत, ने संबोधित किया। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा भगवान विश्वकर्मा व भारत माता के चित्र पर माल्यार्पण कर व दीप प्रज्वलित कर किया गया,। संगठन गीत जिला उपाध्यक्ष संदीप सिंह शक्तावत ने प्रस्तुत किया,। स्वागत भाषण जिलाध्यक्ष राकेश शर्मा ने दिया व अतिथि परिचय उपाध्यक्ष प्रदीप झा ने कराया,। इस अवसर पर बड़ी संख्या में भारतीय मजदूर संघ से संबंधित सभी संगठनों के प्रतिनिधि व कार्यकर्ता में विभाग प्रमुख गोपाल जामलिया, जिला अध्यक्ष राकेश शर्मा पूर्व जिलाध्यक्ष अशोक रामावत, उपाध्यक्ष प्रदीप झा, जानकी लाल धाकड, संदीप सिंह शक्तावत, जिला मंत्री ललित पाल जिला कोषाध्यक्ष कमलेश भाटी, सह मंत्री गोपाल व्यास, कार्यालय मंत्री सूरतराम नागर, अधिक्षण यंत्री आर सी जैन, कार्यपालन यंत्री मन्दसौर दीपक बांदिल, कार्यपालन यंत्री मल्हारगढ जे पी ठाकुर, कार्यपालन यंत्री सतर्कता संतराम उईके सहायक मंत्री मन्दसौर टाऊन पियुष पंवार, सहायक मंत्री सर्कल आफिस मन्दसौर पंकज कुमावत, जे ई एस टी एम मन्दसौर अशोक मेहतो रिना सोम कुंवर, प्रशांत राव, अनिल श्रोत्रिय, घनश्याम कमलवा, दिनेश पंवार, आशा उषा कार्यकर्ता सुपरवाइजर कर्मचारी महासंघ के जिला संयोजक श्रीमती संतोष सालवी, जिला अध्यक्ष श्रीमती रेखा बैरागी, प्रदेश उपाध्यक्ष श्रीमती भारती सोलंकी, श्री ललिता वप्ता, द्वारकेश जोशी, भेरूलाल प्रजापति, रणजीत खिंची, दशरथ शर्मा, महेश यादव, नरेंद्र पाटीदार, जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक के पूर्व अध्यक्ष कैलाश पुरोहित, जिला अध्यक्ष रामप्रसाद नागदा, सचिव एम एल कमलवा राज्य कर्मचारी संघ के सुमन जी अरूण शर्मा, रमेश मालवीय, श्याम मालवीय, अनील नेतराम महेन्द्र मोड़, मनोहर खटकड, मनोज बसेर, यजुवेंद्र सिंह भदौरिया आदि उपस्थित थे। संचालन जिला मंत्री ललित पाल ने किया। आभार जिला कोषाध्यक्ष कमलेश भाटी ने माना। यह जानकारी प्रचार प्रमुख भूपेश पाण्डेय ने दी।

विनोद कुमार नाथूलाल को भू अधिकार पत्र दिया

मंदसौर, 21 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। जिले में 11 दिसंबर से 26 जनवरी 2025 तक जन कल्याण अभियान संचालित हो रहा है। जन कल्याण अभियान के तहत जिले में शिविरों के माध्यम से हितग्राहियों के आवेदनों का निराकरण किया जा रहा है। जनकल्याण अभियान में केन्द्र और राज्य सरकार की हितग्राही मूलक और लक्ष्य आधारित 45 योजनाओं की 63 सेवाओं का मैदानी स्तर पर क्रियान्वयन सुनिश्चित किया गया है। मुख्यमंत्री जनकल्याण शिविर के अंतर्गत ग्राम कटलार में श्री विनोद कुमार नाथूलाल का शिविर में ही तत्काल भूअधिकार पत्र, स्वामित्व योजना अंतर्गतदिया गया। अब इनको भू अधिकार पत्र का लाभ मिलेगा।

आयुष का दिल्ली में रिपब्लिक डे कैम्प 2025 की परेड हेतु हुआ चयन

मंदसौर, 21 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। मंदसौर नगर के प्रतिभाशाली एनसीसी कैडेट आयुष सिंह जादौन का चयन दिल्ली में 26 जनवरी गणतंत्र दिवस के अवसर होने वाली मुख्य परेड हेतु हुआ है। आयुष सिंह जादौन के पिता रविन्द्र सिंह जादौन ने बताया कि आयुष सिंह जादौन वर्तमान में इंदौर के देवी अहिल्या विश्वविद्यालय में ज्योग्राफी में सेकण्ड ईयर के छात्र है और विगत चार माह से वन एमपी एयर स्क्वाडन इंदौर एनसीसी कैम्प में ट्रेनिंग ले रहे है। इसी कैम्प के माध्यम से आयुष का चयन दिल्ली में होने वाली मुख्य परेड के लिए हुआ है। आयुष अब मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ निर्देशालय का प्रतिनिधित्व करेंगे और दिल्ली के मुख्य परेड में शामिल होने वाले आुयष सिंह जादौन मंदसौर के इकलौते एनसीसी कैडेट है।

राजस्व वसूली शिविर आज ओखा बावजी मंदिर के पास चंद्रपुरा में लगेगा

मंदसौर, 21 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती रमादेवी बंशीलाल गुर्जर उपाध्यक्ष श्रीमती नम्रता प्रीतेश चावला राजस्व एवं बाजार समिति की प्रभारी श्रीमती कौशल्या बंधवार एवं मुख्य नगरपालिका अधिकारी सुधीर कुमार सिंह द्वारा बताया गया कि नगरपालिका परिषद मंदसौर द्वारा करदाताओ की सुविधा के लिए वार्ड वार संपत्तिकर शिविर का आयोजन किया जा रहा है जिसके तहत दिनांक 22 जनवरी 2025 बुधवार को वार्ड क्रमांक 26 स्थान- ओखा बावजी मंदिर के पास चंद्रपुरा में शिविर लगाया जाएगा अत: उक्त वार्ड के समस्त करदाताओं से अपील की जाती है कि शिविर में आकर अपने भवन भूखंड दुकान इत्यादि का टैक्स जमा कराकर नगर विकास में अपना सहयोग प्रदान करें।

डाइट विद्यार्थियों से कलेक्टर ने की मुलाकात

नीमच, 21 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने डाइट नीमच के विद्यार्थियों से भेंट कर, चर्चा की और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। विद्यार्थियों ने विभागीय गतिविधियों की जानकारी दी। विद्यार्थियों ने कलेक्टोरेट सभाकक्ष नीमच में मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई में आए लोगों की समस्याओं को जाना एवं उनके आवेदन को भरने में सहायता की।

छात्रों ने उद्यमिता स्थापित करने के गुर सीखे

मंदसौर, 21 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय ग्वालियर के कुलगुरु प्रो ए के शुक्ला के निर्देशन में उद्यानिकी महाविद्यालय मंदसौर के अधिष्ठाता डॉ आई एस तोमर ने बीएससी हॉर्टिकल्चर चतुर्थ वर्ष के छात्रों को हार्टी - इंडस्ट्रियल अटैचमेंट कार्यक्रम का अवलोकन किया जिसमें उन्होंने नीलम मसाला उद्योग एवं हिम्मत मसाला उद्योग का अवलोकन किया एवं छात्रों से चर्चा कर अब तक लिए गए अनुभव के बारे में जानकारी हासिल की। उन्होंने छात्रों से कहा कि आप लोग यहां से उद्यमिता से संबंधित अनुभव लेकर जाओ जिससे आप अपना उद्यम स्थापित कर सफल उद्यमी बन सको जिससे आप लोग स्वावलंबी बनने के साथ साथ अन्य लोगों को भी रोजगार प्रदान कर सको साथ ही उन्होंने उद्यानिकी विभाग द्वारा संचालित नर्सरी का भी भ्रमण किया एवं वहां पर अटैच छात्रों से चर्चा कर नर्सरी स्थापित कर स्वरोजगार की बात कही। कार्यक्रम प्रभारी डॉ एच पी सिंह ने बताया कि बीएससी हॉर्टिकल्चर चतुर्थ वर्ष के छात्रों को तीन सप्ताह के लिए विभिन्न इंडस्ट्रीज एवं नर्सरियों में अटैच किया गया है जिससे वह यहां पर अनुभव लेकर अपना स्वयं का उद्यम स्थापित करने के साथ ही लोगों को रोजगार प्रदान कर सके। इस अवसर पर उद्यमी श्री नीलेश सोनी नीलम मसाला, श्री लोकेंद्र तिवारी हिम्मत मसाला एवं उद्यानिकी विभाग के श्री अविनाश पाराशर ने उपस्थित रहकर छात्रों को उद्यमिता स्थापित करने के गुर सिखाए।

लायंस क्लब मंदसौर के माध्यम से हुआ सत्र का 11 वां नेत्रदान

मंदसौर, 21 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। श्रीमती कौशल्या विजयवर्गीय पति श्री त्रिलोकचंद विजयवर्गीय के मरणोपरांत विजयवर्गीय परिवार द्वारा लॉयन्स क्लब मंदसौर के माध्यम से नेत्रदान करवाया गया। नेत्रदान-महादान प्रकल्प के तहत लायंस क्लब मंदसौर को इस सत्र का यह 11वां नेत्रदान प्राप्त हुआ। नेत्र उत्सर्जन डॉ. किशोर शर्मा द्वारा किया गया। लायंस क्लब अध्यक्ष जितेन्द्र पोरवाल ने बताया विषम परिस्थितियों में विजयवर्गीय परिवार द्वारा नेत्रदान के लिए लिया निर्णय सराहनीय है। इस कार्य से दो लोगों को नेत्र ज्योति मिल सकेगी। इस अवसर पर लायंस क्लब अध्यक्ष जितेन्द्र पोरवाल, सिद्धार्थ पोरवाल, प्रकल्प प्रभारी सीए विकास भण्डारी, अमित कटलाना ने दिवंगत श्रीमती विजयवर्गीय को श्रद्धांजलि दी एवं इस पुनीत कार्य के लिये परिजनों का आभार व्यक्त किया।

किसानों के दर्द को समझे जिम्मेदार

पत्र संपादक के नाम

संपादक की सहमति आवश्यक नहीं

मंदसौर, 21 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। राज्य वन अनुसंधान जबलपुर ने वर्ष 2018 में मंदसौर जिले में घोड़ारोज की गणना की थी। इसके आंकड़े वर्ष 2021 में घोषित किए गए थे। इस गणना के मान से जिले में लगभग 25 हजार घोड़ारोज पाए गए ऐसी जानकारी निकाली गई थी। वास्तविकता में यदि देखा जाए तो वर्तमान समय में इन घोड़ारोज की संख्या आंकडों से बहुत अधिक हे और इसके कारण किसान परेशान हे। इसको कई लोग नीलगाय के नाम से भी जानते हे इसका यह अर्थ नही हे कि यह गाय की कोई प्रजाति हे। यह एक जंगली जानवर हे जिसे सामान्य भाषा में घोड़ारोज या रोजडे कहा जाता हे। अपना परिवार चलाने के लिए जो पूरे देश के परिवार का पेट भरते हे ऐसे किसान अन्नदाता के साथ ही देश के भाग्यविधाता भी हे क्योंकि भारत एक कृषि प्रधान देश है और यहां की अर्थव्यवस्था भी पूरी तरह से कृषि आधारित ही हे। यदि फसल अच्छी हुई और किसानो को फसलो के दाम भी अच्छे मिले तो अर्थव्यवस्था भी पटरी पर दौड़ने लगती हे बाजार में रौनक आ जाती हे। परिश्रम की पराकाष्ठा को पार कर अन्न उपजाने वाले हमारे किसान भाईयों का दर्द हमको समझना होगा। इन जंगली जानवरो से अपनी फसल को बचाना किसानो के लिए वर्तमान समय में बहुत बड़ी चुनौती बन गई हे। यह जंगली जानवर खेतो में प्रवेश कर फसल को बर्बाद न करे इसके लिए किसान कई प्रकार के उपाय भी करते हे किंतु फिर भी समस्या का समाधान न निकलते हुए आर्थिक नुकसान दिन प्रतिदिन बढ़ता ही जा रहा हे। रात हो या दिन दोनो समय यह फसलो को रौंद रहे हे और खराब कर रहे हे। करोड़ो रूपये की फसल की बर्बादी हो रही हे। किसान ऐसी कड़ाके की सर्दी में भी अपनी जान जोखिम में डालकर भी रातभर जागकर अपनी फसलो की सुरक्षा करने को मजबूर हे। कई बार यह जंगली जानवर हिंसक होकर हमला भी कर देते हे और इनके द्वारा सड़क हादसे भी निरंतर होते रहते हे अभी तक ऐसे सड़क हादसो में कई लोग गंभीर घायल भी हुए हे और कई तो अपनी जान भी गंवा चुके हे। मनुष्य के जान की कीमत भी शायद जो इसके लिए जिम्मेदार तंत्र हे उसके लिए नही हे। करोड़ो रूपये की फसल बर्बाद हो रही हे तो यह केवल किसान का व्यक्तिगत नुकसान ही नही हे इससे देश की अर्थव्यवस्था को भी हानि हो रही हे। एयर कंडीशनर कमरो में बैठने वाले जनप्रतिनिधि और अधिकारी ऐसी हाड़ कंपा देने वाली सर्दी मे यदि रात के समय किसी खेत पर पांच मिनिट भी जाकर खड़े हो जायेंगे तो किसानो के परिश्रम का सही मूल्यांकन मानवीय संवेदनाओं के साथ कर पाएंगे और उनका दर्द इन जिम्मेदारों को समझ में आ जाएगा। दुख केवल इस बात का हे कि राजनीति के केंद्र में रखने वाले किसान को केवल वोटबैंक के रूप में ही सभी राजनीतिक पार्टियां उपयोग कर रही हे। परिश्रम करते किसान को यह भी पता नही होता कि उसके द्वारा फसल उपजाने में लगाई गई लागत का मूल्य भी उसे मिलेगा के नही क्योंकि प्रकृति की मार का भी उसको सामना करना पड़ता हे। कभी अतिवृष्टि तो कभी अल्पवृष्टि का भी उसे सामना करना पड़ता हे। कई बार मुंह में आया निवाला भी मौसम की मार के कारण छीन लिया जाता हे। जब तक फसल पककर खेतो से किसान के घर पर नही आ जाए तब तक अनिश्चितता की स्थिति रहती हे और उसकी चिंता बनी रहती हे। यदि सरका र में बैठे जिम्मेदार जनप्रतिनिधि व अधिकारी इस समस्या का समाधान नही कर पा रहे या फिर उनको यह समस्या ही नही लग रही ऐसा भी माना जा सकता है तो फिर किसानो को इसके लिए इतने अधिकार व स्वतंत्रता दी जानी चाहिए कि वह अपने जीवन एवं फसल की रक्षा के लिए जो उचित लगे वह करे इसके लिए इन जंगली जानवरो को मारना भी पड़े तो फिर वह भी सही।

गौरव सोनी, मंदसौर

नशे के रुप में दुरूपयोग की जा रही दवाईयों के रिकार्ड की जांच की

नीमच, 21 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। श्रीमान कलेक्टर के निर्देशानुसार एवं उपसंचालक के मार्गदर्शन में खाद्य एवं औषधि प्रशासन द्वारा औषधि विक्रय संस्थानों पर लगातार कार्यवाही की जा रही है एवं विशेषत: एनआरएक्स/नशे के रूप में दुरूपयोग की संभावना वाली दवाइयों के रिकॉर्ड की जाँच की जा रही है। औषधि निरीक्षक नीमच द्वारा विभिन्न औषधि विक्रय संस्थानों के औचक निरीक्षण के दौरान पाई गई अनियमितताओं के आधार पर जिले में संचालित 02 मेडिकल स्टोर्स पर कार्यवाही की गई है। निरीक्षण के दौरान संबंधित संस्थानों के संचालन में विभिन्न अनियमितताएं पाई गई थी जिनके आधार पर संस्थानों को औषधि अनुज्ञापन प्राधिकारी जिला नीमच द्वारा कारण बताओ सूचना पत्र जारी किये गये थे। जिसके प्रतिउत्तर में संचालकों द्वारा संतोषजनक तथ्य एवं दस्तावेज प्रस्तुत ना कर पाने के कारण औषधि एवं प्रशाधन सामग्री अधिनियम 1940 एवं नियमावली 1945 के तहत नियमों के उल्लंघन पर औषधि अनुज्ञापन प्राधिकारी द्वारा मेसर्स पाटीदार केमिस्ट, जावी तह. नीमच एवं मेसर्स चौधरी मेडिकल, जमुनिया तह. मनासा जिला नीमच के लाइसेंस निलंबित किये गये है। साथ ही नीमच जिले के समस्त औषधि विक्रेताओं को निर्देशित किया गया है कि संस्थान से संचालन के दौरान औषधि एवं प्रशाधन सामग्री अधिनियम 1940 एवं नियमावली 1945 का पालन सुनिश्चित करें एवं एनआरएक्स/नशे के रूप में दुरूपयोग की संभावना वाली दवाइयों के क्रय-विक्रय रिकॉर्ड नियमानुसार संधारित करें औचक निरीक्षण के दौरान औषधि विक्रय संस्थान का संचालन नियमानुसार ना पाए जाने की स्तिथि में नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी।

मध्यप्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ का जिला सम्मेलन एवं कार्ड वितरण कार्यक्रम 27 को मनासा में

मनासा/सिंगोली, 21 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। प्रदेश में पत्रकारो के सबसे बड़े रजिस्टर्ड संगठन मध्यप्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ का जिला सम्मेलन एवं कार्ड वितरण कार्यक्रम दिनांक 27 जनवरी को मनासा मे आयोजित होगा। उपरोक्त विषय की जानकारी देते हुए जिला महासचिव अविनाश जाजपुरा ओर मनासा तहसील अध्यक्ष हेमंत शर्मा ने बताया कि दिनांक 27 जनवरी सोमवार को जिले की मनासा तहसील में पत्रकारों का महाकुंभ होगा। जाजपुर ओर शर्मा ने कहा कि हमारा संगठन ट्रेड यूनियन के तहत रजिस्टर्ड है और इसमें हर वर्ष सदस्यता होती है ओर सदस्यों के परिचय पत्र (कार्ड) बनते हैं जिनका समारोह पूर्वक वितरण किया जाता है। इस वर्ष के कार्ड वितरण कार्यक्रम ओर नव वर्ष मिलन समारोह का आयोजन मनासा नगर परिषद के नव निर्मित ओडोटोरियम में रखा गया है। कार्यक्रम की अध्यक्षता संगठन के जिलाध्यक्ष प्रदीप जैन करेंगे साथ ही अनेक वरिष्ठ पत्रकार साथी तथा वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी एवं वरिष्ठ राज नेताओं का सानिध्य भी इस कार्यक्रम में हमें प्राप्त होगा। जाजपुर ने यह भी बताया कि उपरोक्त कार्यक्रम में संगठन से जुड़े जिलेभर के पत्रकार साथियों का जमावड़ा मनासा मे होगा जो पत्रकारों के महाकुंभ के समान होगा।

कलेक्टर ने जनसुनवाई में 114 आवेदकों की सुनी समस्याएं

नीमच, 21 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने कलेक्टोरेट सभाकक्ष नीमच में मंगलवार को जनसुनवाई करते हुए 114 आवेदकों की सुनी समस्या एं और उनका निराकरण करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। इस अवसर अपर कलेक्ट र श्रीमती लक्ष्मीक गामड़, जिला पंचायत सीईओ श्री अरविंद डामोर, डिप्टी कलेक्टर श्रीमती प्रीती संघवी सहित अन्य जिला अधिकारी उपस्थित थे। जनसुनवाई में आई ग्वालटोली की दिव्यांग लालीबाई के आवेदन पर कलेक्टर श्री हिमांशु चन्द्रा ने संबंधित अधिकारी को ट्रायसाईकल 7 दिवस में प्रदान करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में चेनपुरा के मदनलाल, खडावदा के कालूसिंह राजपुत, सावन के प्रीतम माली, गिदौडा के भरतसिह, डिकेन के तुलसीराम, कुम्हारा गली नीमच के सलीम खान, बोरदियाकलां की अनुराधा, बांसखेडा के कंवरलाल मेघवाल, डूंगलावदा के रामनारायण गुर्जर, रावणरूण्डीं नीमच सिटी की श्याबमाबाई, खानखेडी के बापुलाल, फोफलिया की चम्पाबाई, जावी के रामनिवास राठौर, गोठढ़ा की समदाबाई, जमुनिया कलां के गोपाल गायरी, रेवली-देवली के कंवरलाल नागदा, सुवाखेडा के वल्लदभराम पाटीदार, परोत पिपलिया के बंशीलाल, नेवड़ की श्रीमती मंजु त्रिवेदी आदि ने अपनी समस्यामओं से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए।

व्यंग्य-गुगल गुरु है ना..!

मंदसौर, 21 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। पुरानी कहावत है, ' पूछते पूछते लोग गंगाजी पहुंच जाते हैं, ,लेकिन आधुनिक वैज्ञानिक - प्रगतिशील युगमें किसी मनुष्य से या जानकार से हम रास्ता क्यों पूछें जबकि दुनिया का सबसे बड़ा मार्गदर्शक गुगल गुरु हमारी जेब में है। इसके होते हुए किसी मानव से रास्ता पूछना तो शर्म की बात होती है। यही सोचकर असम पुलिस ने गुगल गुरु को सामने बैठाकर उसके बताए मार्ग पर जोरहाट की ओर चल पड़े किन्तु गुगल गुरु ने उन्हें जोरहाट की जगह पड़ोसी राज्य नागालैंड पहुंचा दिया और बंधक बनवा दिया ये ओर बात है।

यूं गूगल की युवा दुनिया में हम उस पर उंगली नहीं उठा सकते। आज गुगल ही सबसे बड़ा गुरु है गुगल ही सबसे बड़ा डाक्टर है। पहले गुरु आश्रम, पाठशाला या कोचिंग में रहता था अब जेब में। कितना विकास कर लिया हमने। अब ये मशीनी गुरु अधूरी बनी पुलिया से टपका दे या घने जंगल में पहुंचा दे। आप क्या कर सकते हैं भला ? गूगल के होते हुए किसी राहगीर - आदमी - जानकार से पता पूछना दकियानूसी लगता है। एक बार मंदसौर से नीमच के पहले एक गांव शादी में चल पड़े तो कार में परिवार के सदस्य ने फिर कस्बे का नाम अंकित कर गूगल गुरु को रास्ता बताने के लिए सामने स्थापित कर दिया। लगभग तीस किलोमीटर चले होंगे की राष्ट्रीय राजमार्ग की सड़क से दायीं ओर की सड़क पर जाने का संकेत किया रात की ग्यारह बजे तक गांवों में कच्चे-पक्के रास्तों में घूमते रहे आखिरकार देर रात गांव के मानव का मार्गदर्शन ले पहुंच ही गये तब तक बारात जनवासे जा चुकी थी, सारी रसोई समेटी जा रही थी। गनीमत थी कि मेजबान ने फिर भी मेजबानी कर ली। गुगल गुरु कभी ' गाड़ी गडार ' मैं ले चलता तो कभी पगडंडी का रास्ता दिखाता जो किसी कुएं पर जाकर समाप्त होती ये तो आपको तय करना है कि आपको कुएं में गिरना है या फिर रास्ता बदलना है। गांव से वापसी में एक रिश्तेदार मुख्य मार्ग तक छोड़ने आए तो पता चला कि राजमार्ग पर जहां से घुसे थे वहां उससे पांच-छह किलोमीटर ही आगे राजमार्ग से वह गांव मात्र चार किलोमीटर था, सबने गुगल गुरु के सामने देखते हुए माथा ठोक लिया। गुगल दादा ने विकल्प जो अपना लिया था। आपको पैदल जाना है या वाहन से ये आप जानें। यूं तो गूगल दादा को बोलो कुछ तो वो सुने कुछ उससे मैंने पूछा, ' डाक्सिंग ' का क्या मतलब है? उसने झट बाक्सिंग के बारे में बताना शुरूकर दिया, हो सकता है गुगल दादा को भी टेंशन रहता हो वो भी क्या करें बेचारा हर चीज तो उससे पूछ कर की जाने लगी है। उसे मौन नहीं रहना है बताना है कुछ तो बताइएगा जरूर। रेल भले ही आउटर पर आ गई हो किन्तु गूगल दादा कह दे अभी तो यहां से तीसरे स्टेशन दूर खड़ी है तो मानना पड़ेगा। फिर भले ही आप पर ये कथन लागू हो '' रामाजी रईग्या ने रेल परी गी। ' तो भी चलेगा। क्योंकि रेल के निर्धारित समय से पहले हम स्टेशन क्यों पहुंचे या स्टेशन मास्टर से क्यों पुछें ? जब गूगल दादा हमारे पास है तो अन्वेषण के लिये हमें अपना दिमाग दौड़ाने की क्या जरूरत, दूसरे का सहयोग लेने की क्या जरूरत। यूं दादा ने हमारे मानसिक श्रम को समाप्त करने के लिए कई बातें आसान तो कर दी है, ' झट पूछो और पट जबाब ' यानि ' झट मंगनी पट ब्याह ' फिर आगे की गत आगे जानें।

भगवती प्रसाद गेहलोत, पिपलियामंडी

सामाजिक पंचायतों की आवश्यकता: आज के समय की अनिवार्यता

मंदसौर, 21 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। आज के समाज में तेजी से बढते शहरीकरण, वैश्वीकरण और सामाजिक संरचनाओं में हो रहे बदलाव के कारण सामाजिक पंचायतों की प्रासंगिकता और आवश्यकता फिर से उभरकर सामने आई है। सामाजिक पंचायतें न केवल ग्रामीण समाज का हिस्सा रही हैं, बल्कि वे सामाजिक समस्याओं के समाधान में एक महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। वर्तमान समय में इनकी आवश्यकता निम्न कारणों से अत्यधिक महत्त्वपूर्ण हो गई है।

नेमीचंद राठौर

सामाजिक न्याय सुनिश्चित करना–सामाजिक पंचायतें एक ऐसा मंच प्रदान करती हैं, जहां आम लोग अपनी समस्याओं को सरल, त्वरित और न्यायसंगत तरीके से रख सकते हैं। कानूनी प्रक्रिया में देरी और महंगे अदालती खर्चों कें कारण कई लोग न्याय से वंचित रह जाते हैं। सामाजिक पंचायतें इन समस्याओं का समाधान सामूहिक समझ और आपसी संवाद से करती हैं।

सांस्कृतिक और परंपरागत मूल्यों की रक्षा–आधुनिकता और वैश्वीकरण के चलते पारंपरिक मूल्यों और सांस्कृतिक धरोहरों पर संकट गहराता जा रहा है। सामाजिक पंचायतें स्थानीय परंपराओं, रीति-रिवाजों और सांस्कृतिक धरोहरों को संरक्षित करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। ये समाज में एक सामूहिक पहचान और नैतिकता को बनाए रखने का कार्य करती हैं।

विवादों का त्वरित और प्रभावी समाधान–पंचायत प्रणाली के माध्यम से छोटे-मोटे विवादों को हल करने में समय और धन की बचत होती है। पंचायतें स्थानीय स्तर पर पारिवारिक विवाद, भूमि विवाद और आपसी मतभेदों को निपटाने के लिए प्रभावी साधन हैं। इनके माध्यम से समस्याओं को सुलझाने का एक समावेशी और मानवतावादी दृष्टिकोण अपनाया जाता है।

समुदाय को सशक्त बनाना–सामाजिक पंचायतें सामुदायिक सशक्तिकरण में अहम भूमिका निभाती हैं। ये स्थानीय लोगों को उनके अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति जागरूक करती हैं और सामूहिक निर्णय लेने की प्रक्रिया में उनकी भागीदारी सुनिश्चित करती हैं।

महिलाओं और वंचित वर्गों कीं भागीदारी बढ़ाना–आज के समय में सामाजिक पंचायतों में महिलाओं और हाशिए पर रहने वाले समुदायों की भागीदारी सुनिश्चित करने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इससे न केवल समाज में समानता बढती है, बल्कि वंचित वर्गों कीं आवाज़ को भी सुना जाता है।

स्थानीय विकास में योगदान–सामाजिक पंचायतें न केवल विवाद समाधान करती हैं, बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण जैसे स्थानीय विकास के मुद्दों पर भी काम करती हैं। इनके माध्यम से विकास कार्यों कीं निगरानी और उनकी प्रभावशीलता को बढ़ाया जा सकता है।

सामाजिक समरसता और एकजुटता को बढावा–विभिन्न जातियों, धर्मों और वर्गों कें बीच बढती खाई को पाटने और समाज में समरसता लाने में सामाजिक पंचायतें एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। वे एक मंच प्रदान करती हैं, जहां विभिन्न वर्गों कें लोग आपसी मतभेदों को दूर करके एकजुटता के साथ कार्य कर सकते हैं।

अंत में–आज के समय में सामाजिक पंचायतें न केवल ग्रामीण क्षेत्रों में, बल्कि शहरी क्षेत्रों में भी अपनी प्रासंगिकता को पुन: स्थापित कर रही हैं। ये समाज को जोड़ने, सशक्त बनाने और न्याय प्रदान करने का एक प्रभावी माध्यम हैं। इनकी आवश्यकता इस बात में निहित है कि ये समाज के हर वर्ग को उनकी समस्याओं का समाधान देने के साथ-साथ सामूहिक विकास के मार्ग को प्रशस्त करती हैं। अत: सामाजिक पंचायतों को और अधिक सशक्त और प्रभावी बनाने के लिए सरकार और समाज दोनों को मिलकर प्रयास करने चाहिए।

सफेद सोने की आवक– मंदसौर मंडी में लहसुन की आवक अधिक होने से प्याज नीलामी की जगह लहसुन के ढेर लगवाकर नीलामी शुरु की गई।

26 को रहेगा शुष्क दिवस

मंदसौर, 21 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर श्रीमती अदिती गर्ग द्वारा गणतंत्र दिवस (26 जनवरी) को शुष्क दिवस घोषित किया गया हैं। गणतंत्र दिवस पर जिले की समस्त देशी/विदेशी मदिरा दुकाने/गोदाम/एफएल-3 (होटल बार) एवं मद्यभण्डागार बंद रखे जायेंगे। शुष्क दिवस पर सम्पूर्ण जिले में मदिरा एवं परिवहन का क्रय-विक्रय भी पूर्णत: प्रतिबंधित रहेगा।

फालोअप– मामला व्यापारी के साथ हुई सायबर ठगी का...

मुख्य आरोपी से 10 लाख रुपए और बरामद

मंदसौर, 21 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। विगत दिनों पूर्व नपाध्यक्ष के बेटे और व्यापारी सूरज गुप्ता के साथ जुडियो कंपनी की प्रेंचाइजी दिलवाने के नाम पर 38 लाख 67 हजार 710 रुपए की ठगी की गई थी। प्रकरण में मुख्य आरोपी को भी पकड़ लिया गया है। उसके कब्जे 10 लाख रूपए नगद बरामद किए गए है। बता दें कि इस मामले में बिहार और कोलकाता से जितेन्द्र सिंह पिता राजकपुर प्रसाद जाती कुर्मी, सचिन रंजन उर्फ अमित उर्फ टिंकु पिता मिथलेश कुमार उम्र 33 साल निवासी ग्राम झौर थाना वारसलीगंज जिला नवादा बिहार, अमिष पिता मिथलेश कुमार उम्र 23 साल निवासी ग्राम झौर थाना वारसलीगंज जिला नवादा बिहार, नितीश कुमार पिता स्व. शिवनंदन प्रसाद उम्र 23 साल निवासी ग्राम झौर थाना वारसलीगंज जिला नवादा बिहार को गिरफ्तार किया गया था। आरोपियो के कब्जे से ठगी केनगद 23 लाख 31 हजार 400 रुपये और ठगी करने मे उपयोग किये जा रहे 11 मोबाईल फोन , 38 मोबाईल सीमे, 30 एटीएम कार्डतथा 14 बैंक पास बुक बरामद किए गये थे।

प्रकरण में विवेचना के दौरान फरियादी से ठगी गई राशि में से मुख्य आरोपी जितेन्द्र सिंह की निशानदेही से दस लाख रुपए ओर बरामद करने में सफलता अर्जित की गयी हैं। मामले में अब तक कुल 33 लाख 31 हजार 400 रूपये बरामद किये जा चूके हैं। जो कि सम्पूर्ण ठगी गई राशि का 86 प्रतिशत हैं।

मप्र में निवेश के अवसरों पर पुणे में आज इंटरेक्टिव सत्र

भोपाल, 21 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। प्रदेश सरकार द्वारा औद्योगिक विकास और निवेश के अवसरों को बढावा देने के लिए 22 जनवरी को इंटरेक्टिव सत्र पुणे में आयोजित होगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव पुणे में 'मध्यप्रदेश में निवेश के अवसर' पर आयोजित इंटरेक्टिव सत्र में निवेशकों और उद्योगपतियों से सीधा संवाद करेंगे। यह सत्र न केवल मध्यप्रदेश के निवेश अवसरों को प्रदर्शित करेगा, बल्कि राज्य को उद्योगों के लिए एक अनुकूल स्थान के रूप में स्थापित करने की दिशा में मुख्यमंत्री डॉ. यादव के प्रयासों की निरंतरता को भी दर्शाएगा।

मुंबई, कोलकाता, बैंगलोर और कोयंबटूर में मिली सफलता के बाद पुणे का यह सत्र निवेशकों के लिए एक और सुनहरा अवसर है। इन शहरों में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अपनी दूरदर्शी नीतियों और प्रदेश के निवेश अनुकूल माहौल को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया, जिससे मध्यप्रदेश में निवेश की संभावनाओं को नई दिशा मिली। पुणे का यह सत्र उसी श्रृंखला का हिस्सा है, जो राज्य को निवेश के प्रमुख केंद्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव पुणे में प्रमुख उद्योगपतियों और निवेशकों से मध्यप्रदेश में औद्योगिक, पर्यटन, आईटी/आईटीईएस और ईएसडीएम क्षेत्र के लिए सकारात्मक वातावरण व संभावनाओं पर चर्चा करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव संस्थान के प्रतिनिधियों के साथ नेटवर्किंग डिनर में शामिल होंगे। कार्यक्रम में उद्योग जगत की प्रतिष्ठित हस्तियां, किर्लोस्कर ब्रदर्स लिमिटेड के चेयरमैन संजय किर्लोस्कर और पिनेकल इंडस्ट्रीज लिमिटेड के चेयरमैन सुधीर मेहता भी प्रदेश के इंडस्ट्री फ्रेंडली माहौल और मध्यप्रदेश की सरल औद्योगिक नीतियों के संबंध में अपने अनुभव साझा करेंगे।

उद्योगों के विस्तार एवं कार्य पद्धति में सुधार के लिए एमएसएमई विभाग द्वारा कार्यशाला सम्पन्न

मंदसौर, 21 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। जिला उद्योग एवं व्यापार केंद्र के महाप्रबंधक श्री दिनेश चम्पेवार द्वारा बताया गया कि सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग की नोडल एजेंसी, लघु उद्योग निगम द्वारा हिम्मत इंडस्ट्रीज मंदसौर में लघु उद्योग भारती के सहयोग से उद्योगों के विस्तार एवं कार्य पद्धति में सुधार के लिए कार्यशाला का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय स्तर पर उद्योगों की कार्यप्रणाली में सुधार एवं विस्तार के लिए आरएएमपी नाम से कार्यशाला का आयोजन संपूर्ण भारतवर्ष में किया गया। जिसके अंतर्गत नीमच में एलईएएन मैनेजमेंट, जेड सर्टिफिकेशन एवं आईपीआर जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विशेषज्ञों द्वारा जानकारी प्रदान की गई। विशेषज्ञों द्वारा बताया कि विकसित भारत में एमएसएमई की महत्वपूर्ण भूमिका है एवं इस भूमिका को पूरा करने के लिए उद्योगों को अपना विस्तार एवं उसकी कार्य प्रणाली में सुधार करने की आवश्यकता है जिससे कि वह अपनी कार्य क्षमता एवं उत्पाद की गुणवत्ता को राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर के मापदंड पर पहुँचा सकते हैं श्र लघु उद्योग भारती जो की एक राष्ट्रीय स्तर का संगठन है ,उसके सहयोग से यह कार्यशाला नीमच में आयोजित की गई।लघु उद्योग भारती मंदसौर इकाई अध्यक्ष श्री मुकेश जैन ने बताया की सरकार की इस पहल से निश्चित रूप से सूक्ष्म एवं लघु उद्योगों को बहुत ही अधिक लाभ होगा। इस दौरान वहां डिआईसी – जीएम श्रीदिनेश चम्पेवार एवं वरिष्ठ उद्योगपति श्री शांतिलाल लोढा उपस्थित थे।

नप बैठक में बस स्टैंड का सुविधाघर तोड़ने सहित अन्य प्रस्ताव हुए पारित

नगरी, 21 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। नगर परिषद का साधारण सम्मेलन सोमवार को नगर परिषद के सभा कक्ष में आयोजित किया गया। बैठक में नगर विकास से संबंधित कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव सर्वानुमति से पारित किए गएं नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती संगीता बग्गड ने बताया की परिषद की बैठक में आगामी गणतंत्र दिवस पर आयोजन के संबंध में चर्चा की गई। साथ ही बैठक में बस स्टैंड पर यात्री प्रतीक्षालय एवं मूत्रालय तोड़ने, सडक सुरक्षा अंतर्गत नगर की प्रमुख सडकों एवं चौराहे पर रेडियम लाइट लगाने, रोड मार्किंग नाले के पास में रेलिंग लगाने, स्पीड ब्रेकर बनाने तथा नागरिक कचनार रोड पर डिवाइडर बनाने, जेसीबी मशीन क्रय करने, सीवरेज प्लांट हेतु भूमि अधिग्रहण करने, 15वें वित अनुदान से बिजली बिल बिल, डीजल बिल आदि का भुगतान करने पर एवं नप भवन के लिए भूमि आवंटन तथा नगर परिषद के पास माध्यमिक विद्यालय की भूमि आवंटन पर चर्चा कर निर्णय लिया गया। भूवाखेडी में स्टेडियम के पीछे नाला, पुलिया एवं

रोड निर्माण के साथ ही दर्जी समाज के लिए भूमि हेतु अनापत्ति प्रमाण पत्र जारी करने एवं वंशानुक्रम आधार पर 21 नामांतरण प्रकरण स्वीकृत किए गए। इसके साथ ही बैठक में ग्रीष्म ऋतु में नगर के पेयजल व्यवस्था को दृष्टिगत रखते हुए नवीन नलकूप तथा ट्यूबवेल खनन की कार्ययोजना भी बनाई गई। बैठक में नगर परिषद अध्यक्ष संगीता घनश्याम बग्गड, उपाध्यक्ष घनश्याम अटोलिया, पार्षद राकेश रख्वाड्या, सरिता कमलेश धाकड, राजूमुकेश धाकड, पिरूलाल सरगरा, मंजू नरेंद्र धाकड , रामगोपाल टेलर, अंजू भेरूलाल धाकड, राजेश जैन, गायत्री मुकेश धाकड, मांगीलाल मालवीय, रामेश्वर अटोलिया, भागीरथ खेर, सांसद प्रतिनिधि घनश्याम बग्गड विधायक प्रतिनिधि देवेंद्र अटोलिया एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी धर्मचंद जैन उपस्थित रहे ।

सीएम हेल्पलाइन शिकायतों के निराकरण में नीमच टॉप 5 में शामिल

मंदसौर, 21 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। सी एम हेल्पलाईन पोर्टल्स पर प्राप्त शिकायतो में माह दिसंबर 24 की ग्रेडिंग में कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा के मार्गदर्शन में नीमच जिला लगातार दूसरी बार ए ग्रेड के साथ प्रदेश के टॉप 4 जिलों शामिल हुआ है।

डिप्टी कलेक्टर श्री संजीव साहू ने बताया कि माह दिसंबर 24 में 3257 प्राप्त शिकायतो में से संतुष्टि के साथ बंद शिकायतों का वेटेज (60%) में से 50.72 % एवम 50 दिवस से अधिक लंबित शिकायतों का वेटेज (20%) में से 14.33 % कुल वेटेज 84.76 % के साथ नीमच जिले को अ रेटिंग प्राप्त हुई। उल्लेखनीय की कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा के मार्गदर्शन में जिले में सीएम हेल्प लाइन की शिकायतों के निराकरण केलिए विशेष शिविर आयोजित कर एक-एक आवेदक से चर्चा कर शिकायतों का निराकरण संतुष्टिके साथ करवाया गया।

शहरी विकास अभिकरण एवं राजस्व विभाग द्वारा सीएम हेल्पलाइन शिकायतों के निराकरण के लिए कलेक्ट्रेट में विशेष सिविल आयोजित किए गए और आवेदकों को शिविर में बुलाकर उनकी समस्याओं को सुना गया और उनका निराकरण किया गया फल स्वरुप आवेदकों द्वारा शिकायत को संतुष्टि के साथ बंद करवाया गया है इसी का परिणाम है कि नीमच जिला सीएम हेल्पलाइन शिकायतों के निराकरण में प्रदेश के सभी जिलों में से चौथा स्थान हासिल कर पाया है। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने इस उपलब्धि का श्रेय नीमच जिले के सभी जिला अधिकारियों एवं उनकी टीम तथा सभी अधिकारी कर्मचारियों को दिया है।

सभी विभाग सीएम हेल्प लाईन में दर्ज शिकायतों का प्राथमिकता से निराकरण करें-चंद्रा

नीमच, 21 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा की अध्यक्षता में मंगलवार को कलेक्टो रेट सभाकक्ष नीमच में समय-सीमा पत्रों के निराकरण की साप्ताहिक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में अपर कलेक्टर श्रीमती लक्ष्मी गामड, जिला पंचायत सीईओ श्री अरविंद डामोर, डिप्टी कलेक्टर श्रीमती प्रीती संघवी सहित अन्यम जिला अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में कलेक्टर ने निर्देश दिए कि सभी विभाग सीएम हेल्पीलाईन में दर्ज शिकायतों को प्राथमिकता से निराकरण कर सुनिश्चित करे। नगरपालिका के सीएमओ को निर्देश दिए, कि वे इस माह अपनी सभी शिकायतों का निराकरण करें। सी.एम.ओ स्वयं भी शिकायतों के निराकरण पर विशेष ध्यान दे। सिविल सर्जन, लोक स्वास्थ्य, सूचना प्रोद्योगिकी, शिक्षा विभाग, अनुसूचित जनजाति आदि सभी विभाग सी.एम.हेल्प लाईन की सभी शिकायतों का निराकरण करे और जिले को राज्य में प्रथम रैंक पर लाने का हर संभव प्रयास करें।

महिला को पीटा, जेठानी समेत 2 पर प्रकरण दर्ज

पिपलियामंडी, 21 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। खेत के विवाद में तलवार से हमला करने के मालमे में पुलिस केस दर्ज किया। अम्बाव निवासी फूलाबाई बावरी ने पिपलिया थाने पर शिकायत दर्ज कराई कि जेठ फतेहसिंह के बेटे कमलेश व जेठानी कृष्णाबाई न खेत पर आने से मना करते हुए गाली-गलौज की व मारपीट के बाद तलवार से हमला किया, जिससे चोंटे आई। पुलिस ने जेठानी कृष्णाबाई व उसके बेटे कमलेश पर केस दर्ज किया।

भूमिपूजन के साथ ही पावागढ़ माताजी डामरीकरण रोड़ का कार्य प्रारंभ, 22 लाख रुपए की राशि होगी व्यय

पिपलियामंडी, 21 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। की नगरीय सीमा अंतर्गत आने वाले पावागढ माताजी रोड के डामरीकरण कार्य का मंगलवार को नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती इंदिरा सुनील देवरिया ने भूमिपूजन किया। इसके निर्माण पर करीबन 22 लाख रुपए खर्च होंगे। उक्त सडक के डामरीकरण कार्य के भूमिपूजन के साथ ही निर्माण कार्य की शुरुआत भी हो गई। पिपलियामंडी नगर के वार्ड क्रमांक तीन के तहत कनघट्टी रोड से पावागढ माता मंदिर के मुख्य द्वार तक डामरीकरण किया जाना है। बताया जाता है कि अगले चार या पांच दिन में इस मार्ग का कायाकल्प हो जाएगा, सडक बनकर तैयार हो जाएगी। उक्त मार्ग विगत कई वर्षों सें जर्जरावस्था में होकर राहगीरों की परेशानी का सबब बना हुआ था। इसके निर्माण के लिए परिषद के सभी जनप्रतिनिधियों ने एकमत होकर अपनी सहमति व्यक्त करते हुए तुरन्त डामरीकरण किए जाने पर जोर दिया था। उल्लेखनीय है कि हर वर्ष की तरह इस साल भी इसी माह की 26 तारीख से यहां मेला आयोजित होगा। जिसमें बडी संख्या में नागरिक पहुंचते हैं। इधर, नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमति इंदिरा देवरिया ने बताया कि प्रदेश के उप मुख्यमंत्री जगदीश देवडा ने पिपलियामंडी नगर परिषद को विकास कार्यों कीं अनेकों सौगातें दी है, देवडा के प्रयास से समूचे शहर में आंतरिक सडकों का जाल बिछाया जा रहा है। साथ ही जनहित के अन्य कार्य प्राथमिकता से पूर्ण किए जा रहे हैं। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष राकेश पाटीदार, नप उपाध्यक्ष भारतसिंह सोनगरा, सभापति कमल गुर्जर, ललित कसेरा, वंदना तिवारी, संगीता धनोतिया, संतोष नाथ योगी, अशोक गुर्जर, इंद्रजीत भट्ट, चंद्रप्रकाश देवडा, वीरेंद्र पाटीदार, पवन घटिया, निकाय सीएमओ प्रवीण सेन, लेखापाल महावीर जैन, आदिल खान सहित स्थानीय नागरिक उपस्थित थे।

सीतामऊ साहित्य महोत्सव का 30 को होगा शुभारंभ

इतिहास, साहित्य, मुद्राशास्त्र, सिक्कों की यात्रा, संगीतमय शाम इत्यादि तरह-तरह के होंगे आयोजन

मंदसौर, 21 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। सीतामऊसाहित्य महोत्सव का शुभारंभ 30 जनवरी को प्रात: 10.30 दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती पूजन कर शुभारंभ होगा। केन्द्रीय मंत्री श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत द्वारा जल संरक्षण के विषय पर व्याख्यान देंगे। शोध साधना (डॉ. विक्रम सिंह भाटी) पत्रिका का विमोचन करेंगे। दोपहर 12.00 बजे से वक्ता श्री अशोक चक्रधर इतिहास और साहित्य के विषय पर व्याख्यान देंगे। दोपहर 12.45 बजे से राजस्थान के पूर्व राज्यसभा सांसद श्री ओंकार सिंह लखावत भारतीय ज्ञान परम्परा के विषय पर व्याख्यान देंगे। दोपहर 1.10 बजे से स्कूल के छात्रों द्वारा शिक्षा का महत्व पर नाटक प्रदर्शन किया जायेगा। दोपहर 2.30 बजे से डॉ. उदय कुलकर्णी द्वारा मराठों के इतिहास के विषय पर व्याख्यान देंगे।

दोपहर 3.00 बजे से अश्विनी शोध संस्थान महिदपुर के संस्थापक प्रो. श्री आरसी ठाकुर द्वारा मुद्राशास्त्र और सिक्कों की यात्रा का प्रदर्शन के विषय पर व्याख्यान देंगे। दोपहर 3.30 बजे से पाकिस्तान में भारत के पूर्व उच्चायुक्त टीसीए श्री राघवन आईएफएस (सेवानिवृत्त) द्वारा 'इतिहास पुरुष' पुस्तक पर चर्चा करेंगे। सायं 4.00 बजे से क्रिनोआ और अफ़ीम के खेतों का दौरा, सेवा कुंज, लदुना पैलेस का दौरा, सीतामऊगढ में हेरिटेज वॉक एवं सायं 6.45 बजे से अली ब्रदर्स द्वारा संगीतमय (ग़ज़ल/लोक) प्रस्तुती दी जायेगी।

प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के दूसरे चरण का सर्वे, पात्र परिवार 31 मार्च तक जुड़वा सकते हैं नाम

मंदसौर, 21 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के द्वितीय चरण के लिए सर्वे प्रारंभ हो गया है। इसमें पात्र परिवारों के नाम 31 मार्च तक स्थाई प्रतीक्षा सूची में जोड़ने की कार्यवाही की जा रही है। योजना अंतर्गत केन्द्रीय मंत्री-मण्डल ने योजना को आगामी पांच वर्ष के लिये वित्तीय वर्ष 2024-25 से 2028-29 तक की मंजूरी दी है। इस संबंध ने ग्रामीण विकास मंत्रालय भारत सरकार ने आवास प्लस की सूची को अद्यतन करने के लिए आवास प्लस सर्वे 2024 प्रारंभ किया है।

प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण का सर्वे जिले में ग्राम पंचायत में नियुक्त किये गये सर्वेयर सचिव/रोजगार सहायक द्वारा किया जायेगा। सर्वे कार्य आवास प्लस एप-2024 से किया जाएगा। इसमें हितग्राही स्वयं के मोबाईल से भी आवेदन कर सकेंगे। इसके लिए मोबाइल एप्लीकेशन आवास प्लस 2.0 ग्रामीण विकास मंत्रालय एन.आई.सी द्वारा निर्मित किया गया है। इस ऐप की लिंक आवास सॉफ्ट पोर्टल (https://pmayg.nic.in/infoapp.html) पर भी उपलब्ध है। सर्वे के लिए समस्त जिले/जनपद एवं ग्राम पंचायत स्तर के अधिकारियों एवं नामांकित सर्वेयर को प्रशिक्षण गया है। सर्वे 31 मार्च 2025 तक पूर्ण कर लिया जायेगा। केन्द्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा एक अप्रैल 2016 से प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) प्रारंभ की गई। जिसके अंतर्गत सभी पात्र बेघर परिवारों और कच्चे तथा जीर्ण-शीर्ण मकानों में रह रहे परिवारों को बुनियादी सुविधा युक्त पक्का आवास उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा गया है।

कलेक्टर ने जनसुनवाई के दौरान 61 आवेदकों की समस्याएं सुनी

मंदसौर, 21 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। जिला स्तरीय जनसुनवाई के दौरान कलेक्टर श्रीमती अदिती गर्ग द्वारा सुशासन भवन सभाकक्ष में 61 आवेदकों की समस्याएं सुनी। अधिकारियों को जल्दी निराकरण करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में बीपीएल सूची में नाम जुड़वाने, प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना के तहत आवास मंजूर करने, निजी भूमि पर अवैध अतिक्रमण, भूमि विवाद, बीमारी सहायताआदि विषयों के आवेदन प्राप्त हुये। इस दौरान अपर कलेक्टर श्रीमती एकता जायसवाल एवं जिला अधिकारी मौजूद थे।

मंदसौर के खिलाड़ियों ने मारी बाजी

मंदसौर, 21 जनवरी गुरु एक्सप्रेस। जावरा में आयोजित फाईटर कराते लीग में मंदसौर के 6 खिलाडियों ने भाग लिया और पदक अर्जीत किए। खिलाड़ियों द्वारा 3 स्वर्ण पदक यशस्वी व्यास, मृणालि शिंदे, शिवनिया भदौरिया और 3 कास्य पदक युगल वघेरवाल, रिद्दम गोस्वामी, आराध्य राठौर प्राप्त किए एवं मंदसौर का नाम रोशन किया। यह जानकारी कोच नितिराज सिंह चौहान ने दी एवं अध्यक्ष विनय जी दुबेला तथा अन्य समिति सदस्यों ने बधाई दी।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीडिया एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक– आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 313880, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in